पटना ● मंगलवार, 30 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:199 www.bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

दस दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण... 3 www. bordernewsmirror.com थाई-स्लिट आउटफिट में... 8

सावधान!

हिंसा को लेकर जारी किए गए 30 से 40 फेक वीडियो

मणिपुर में सेना के खिलाफ हो रही साजिश

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पीसी नायर ने आगाह किया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे कई सारे वीडियो सामने आए हैं, जिन्हें मणिपुर का बताया जा रहा है। इनमें जिस तरह की हिंसा दिखाई गई है, उसका उत्तर-पूर्व से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, इस तरह के कई फर्जी वीडियो शेयर किए जा रहे हैं। मैंने ऐसे 30-40 वीडियो देखे हैं जिन्हें मणिपुर का बताया जा रहा है।

ये वीडियो या तो म्यांमार के हैं या फिर कहीं और के होंगे। कुछ वीडियो तो रोहिंग्या इलाके के हैं जिन्हें मणिपुर में हो रहे अत्याचार के तौर पर पेश किया जा रहा है। डीजी नायर ने कहा कि कुछ लोग अपने छिपे हुए एजेंडे को फैलाने

की कोशिश कर रहे हैं। यह दिखाने का प्रयास हो रहा है कि सुरक्षा बल यहां पर अत्याचार कर रहे हैं। ऐसे फर्जी वीडियोज का मकसद इलाके में तनाव पैदा करना है।

उन्होंने कहा कि वीडियो से छेड़छाड़ की जा रही है और सुरक्षा बलों को स्थानीय लोगों के खिलाफ काम करने वाला बताया जा रहा है। डीजी ने कहा कि वास्तविक घटनाओं के कुछ हिस्सों के क्लिप निकाले जा रहे हैं और उन्हें गलत कहानी के साथ फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की ओर से जो ऐक्शन लिए जा रहे हैं, उन्हें अलग प्रोपेगेंडा के साथ पेश किया जा रहा है।

ऐसे वीडियो को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत

असम राइफल्स के महानिदेशक ने कहा कि इस तरह के वीडियो को लेकर सावधानी बरतने की जरूरत है। जब तक आप पूरा वीडियो न देख लें तब तक किसी नतीजे पर न पहुंचें। आपको इस तरह के वीडियो को लेकर हर एक फैक्ट जानना चाहिए। वहीं, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते दिनों राज्य में हिंसा को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा, राज्य में धीरे-धीरे शांति लौट रही है और हमें इसे बनाए रखने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना चाहिए। हमें हिंसा के कृत्यों की निंदा करनी चाहिए और उन्हें रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। सिंह ने कांग्रेस के उन आरोपों का भी जवाब दिया जिनमें कहा गया कि केंद्रीय बजट में मणिपुर के लिए किसी सहायता का उल्लेख नहीं किया गया।

और बढ़ेंगी बवाली आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें!

केंद्र की समिति ने सौंपी रिपोर्ट, जांच के घेरे में पूरा परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने विवादास्पद आईएएस पूजा खेरकर के खिलाफ सभी आरोपों की जांच के लिए एक सदस्यीय पैनल का गठन किया था। शनिवार को पैनल ने पूजा पर अपनी जांच रिपोर्ट कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को सौंप दी। कुछ दिन पहले 2023 बैच की आईएएस ट्रेनी पूजा पर सत्ता के दुरुपयोग, फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए आरक्षण का लाभ लेने जैसे कई आरोप लगे थे। उन सभी शिकायतों की जांच के लिए इस जांच कमेटी का गठन किया गया था। डीओपीटी के अतिरिक्त सचिव मनोज द्विवेदी जांच के प्रभारी थे। हालांकि,

रिपोर्ट में क्या है ये अभी तक पता नहीं चल पाया है। फिलहाल संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी पूजा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रहा है। उनकी ट्रेनिंग को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। यहां तक कि वह दोबारा कभी भी इस परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगी। यूपीएससी पहले ही उनकी नियुक्ति रद्द करने के लिए सूचना जारी कर चुका है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, यूपीएससी ने पूजा के खिलाफ गलत जानकारी और फर्जी पहचान पत्र के जरिए आरक्षण का लाभ लेने की शिकायत दर्ज की है।

कनाडा में अब 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान' के नारे

- 15 अगस्त करीब आते ही सक्रिय हुआ एसएफजे संगठन, विदेशी धरती पर कराया गया रेफरेंडम

अमृतसर (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के नजदीक आते ही कनाडा में खालिस्तान के समर्थन में आवाजें उठने लगी हैं। अमेरिका से भारत में आतंक फैलाने वाले सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कल कनाडा के कैलगरी में रेफरेंडम-2020 का आयोजन किया। जिसमें खालिस्तानी समर्थकों ने पहुंचकर भारत को तोड़ने के लिए वोट किया और किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे भी लगाए। कनाडा में यह रेफरेंडम सरकारी बिल्डिंग म्युनिसिपल प्लाजा में हुआ। लेकिन इस दौरान कनाडा की अथॉरिटी ने मामले में दखल देने से इनकार कर दिया। कनाडाई मीडिया द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक स्थानीय मेयर गोंडेक ने कहा कि वह इस रेफरेंडम को एक वैध लोकतांत्रिक

अभ्यास के रूप में देखती हैं, जिसे मंजूरी देने या प्रतिबंधित करने का उनके कार्यालय को कोई अधिकार नहीं है। जनता कभी भी म्युनिसिपल प्लाजा में इकट्ठा हो सकती है। वे जो चाहें कर सकते हैं। कनाडा में हुए जनमत संग्रह में भी भारत विरोधी नारे लगे। यह पूरा आयोजन कनाडा पुलिस की निगरानी में हुआ लेकिन भारत विरोधी नारे नहीं रोके गए। यहां वोट डालने आए खालिस्तानी समर्थकों ने खुलेआम किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे लगाए। सिख फॉर जस्टिस यानी एसएफजे सिखों के लिए अलग खालिस्तान की मांग करने वाला एक संगठन है। 2007 में अमेरिका में इसकी स्थापना की गई थी। गुरपतवंत सिंह पन्नू एसएफजे के संस्थापकों में से एक है। एसएफजे अपने अलगाववादी अभियान रेफरेंडम 2020 के तहत पंजाब को भारत से अलग कराने की बात करता है। एसएफजे ने अपने अगस्त 2018 में लंदन डिक्लेरेशन में भारत से अलग होने और पंजाब को एक अलग देश के रूप में फिर से स्थापित करने के सवाल पर दुनिया भर में जनमत कराने की घोषणा की थी।

खाना, ठिकाना और वाई-फाई

घाटी में आतंकियों को मिल रही है 'लोकल' मदद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में हालिया समय में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। जिस तरह से आतंकवादी सेना के जवानों पर हमला कर रहे हैं और छिप जा रहे हैं, उससे एक पैटर्न बनने लगा है और लोकल सपोर्ट का शक गहराने लगा है। सेना के अफसरों का भी मानना है कि जिस तरह से हमले हो रहे हैं और उसके बाद आतंकवादी घने जंगलों में छिपने में सफल हो रहे हैं, वह बिना स्थानीय लोगों की मदद के संभव नहीं। हाल ही में जम्मू में कुछ लोगों को इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इसको लेकर बयान जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि इन दोनों पर आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने का आरोप है। इनमें से एक लायकात अली उर्फ पाऊ और दूसरा मूल राज उफ जेंजू है।

- **ज्यादा पैसे के लालच में स्थानीय लोग ही कर रहे सपोर्ट**
- **जवानों पर हमला कर आसपास ही छिप रहे आतंकवादी**

यह दोनों कठुआ के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक अली और राज पीर पंजाल के इलाके के रहने वाले हैं। दोनों जहां पर रहते हैं वहां सेलफोन और

इंटरनेट सेवाएं ना के बराबर हैं। इनके गांव बडनोता रेंज के पास हैं जहां पर आठ जुलाई को 22 गढ़वाली राइफल के दो पैट्रोल टैंक्स पर हमला हुआ था। इसमें पांच जवान शहीद हो गए थे। जब यह टैंक माचेडी-किंडली-मल्हार रोड पर एक मोड़ से होते हुए गुजर रहे थे, तभी आतंकियों ने एक ऊंची जगह से हमला बोला था। यह इलाका माचेडी के जंगली इलाके में आता है। यहां के घने जंगल, पहाड़ी रास्ते और गुफाएं आतंकियों को छिपने के कई सुरक्षित विकल्प देती हैं। इस इलाके की सघनता कैसी है इसके बारे में सिर्फ इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ड्रोन्स, हेलीकॉप्टर्स और मिलिट्री डॉग्स की मदद से लगातार चलाए जा रहे ऑपरेशंस के बावजूद अभी तक सेना आतंकियों पर पूरी तरह से काबू पाने में सफल नहीं हो पाई है। अली और राज से पहले पुलिस ने चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें शौकल अली भी था जो आतंकियों को पनाह देने के साथ खाना और वाई-फाई की सुविधा भी देता था। उसने यह सब 15 जुलाई को डोडा जिले के डेसा जंगल में हुए आतंकी हमले से पहले किया था। इस हमले में चार भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। इससे पहले भी 19 जून को जम्मू पुलिस ने 45 साल के हकम दी को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसने नौ जून को रियासी जिले में श्रद्धालुओं को लेकर जा रही बस के ऊपर हमले में आतंकवादियों की मदद की थी। पुलिस के मुताबिक इसके बदले में उसे 6000 रुपए मिले थे।

चक्रव्यूह में देश को फंसाया गया इसका आकार 'कमल' के जैसा

लोकसभा में बजट पर बोले राहुल गांधी, बीजेपी और पीएम को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा में

भाग लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने काह कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण पर बजट में एक बार भी पेपर लीक को लेकर कुछ नहीं कहा। अग्निवीरों की पेंशन को लेकर भी बजट में कोई प्रावधान नहीं किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर मारा गया था वैसा ही अब भी हो रहा है। वही हिंदुस्तान के लोगों के साथ किया जा रहा है। चक्रव्यूह का एक और रूप होता है पद्मव्यूह जो लोटसव्यू में होता है जिसे मोदीजी अपने सीने पर लगाकर चलते हैं। इस व्यूह को मोदीजी, अमित शाहजी, मोहन भागवत जी, अजित डोभाल जी, अंबानीजी, अडानी जी कंट्रोल कर रहे हैं। ये 21वीं सदी में नया चक्रव्यूह रचा गया।

मुझे किसानों से नहीं मिलने दिया गया

राहुल गांधी ने सदन में एमएसपी पर लीगल गारंटी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि सदन में मुझे किसानों से नहीं मिलने दिया गया। राहुल गांधी ने पूछा कि बजट में सरकार ने किसानों के लिए क्या किया। किसान आपसे एमएसपी की लीगल गारंटी की मांग कर रहे हैं। आपने उनको बॉर्डर पर रोक रखा है, किसान मुझसे मिलने यहां आना चाहते थे। उन्हें आने से रोक दिया गया। इस पर ओम बिरला ने राहुल गांधी को टोकते हुए कहा कि आप उनसे मिले, इसमें सदन की एक मर्यादा का उल्लंघन हुआ।

धंधा बन गई है कोचिंग, अखबारों में छप रहे विज्ञापन तो देखिए

दिल्ली कोचिंग हादसे पर भड़के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हुए हादसे में मारे गए तीन छात्रों का मुद्दा आज देश की संसद में भी उठा। बीजेपी ने इस मुद्दे पर जहां आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्यसभा में बीजेपी सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आम आदमी पार्टी को घेरा तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अहम बात कही। उन्होंने कहा कि कोचिंग आज के समय में एक धंधा बन गई हैं, जिसके विज्ञापन रोज दिखते हैं। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग आज एक तरह का धंधा बन गई हैं। हम अकसर अखबार पढ़ते हैं, तो शुरुआत के दो पन्नों में उनके ही विज्ञापन मिलते हैं। बता दें कि इससे पहले लोकसभा में नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने भी दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि आप सरकार की लापरवाही की वजह से इतना दर्दनाक हादसा हुआ। बता दें कि आज दिल्ली के

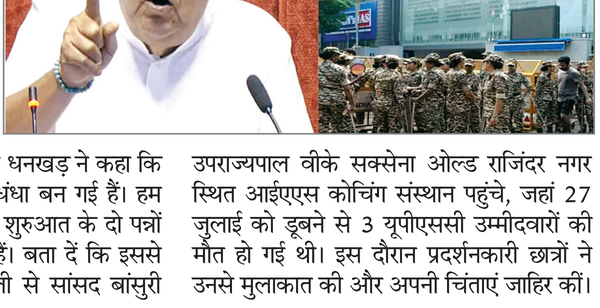

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ओल्ड राजिंदर नगर स्थित आईएएस कोचिंग संस्थान पहुंचे, जहां 27 जुलाई को डूबने से 3 यूपीएससी उम्मीदवारों की मौत हो गई थी। इस दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों ने उनसे मुलाकात की और अपनी चिंताएं जाहिर कीं।

बिहार में बढ़े हुए आरक्षण पर लगी रहेगी रोक

सुप्रीम कोर्ट का स्टे हटाने से इनकार, नीतिश सरकार को झटका

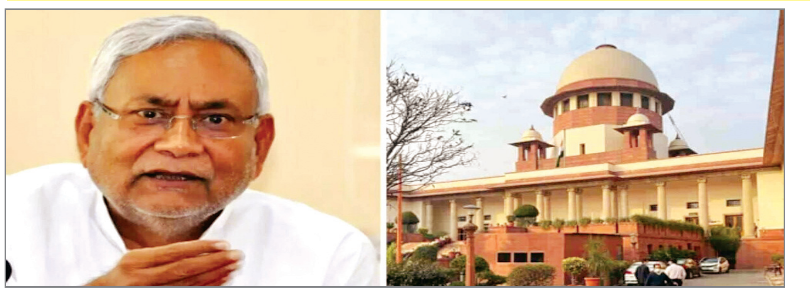

पटना (एजेंसी)। बिहार में जातिगत आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 65 फीसदी किए जाने के सरकार के फैसले पर लगी रोक को हटाने से सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इनकार कर दिया है। नीतिश कुमार सरकार के इस फैसले पर पटना हाई कोर्ट ने रोक लगाई थी, जिसके खिलाफ राज्य ने शीर्ष अदालत का रुख किया था। अदालत ने बिहार सरकार की अर्जी पर सुनवाई को लेकर सहमति जरूर जताई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने कहा, हम नोटिस जारी कर रहे हैं। इस मामले पर हम सितंबर में सुनवाई करेंगे। तब तक कोई अंतरिम राहत नहीं रहेगी। बिहार सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पक्ष रख रहे थे। उन्होंने शीर्ष अदालत में कहा कि इस मामले पर तत्काल कोई फैसला लिया जाए। ऐसा इसलिए क्योंकि सितंबर में बढ़ाए गए आरक्षण के तहत बहुत सी नौकरियां निकली थीं और उनमें इंटरव्यू की प्रक्रिया चल रही है।

बाबा रामदेव को अदालत से लगा नया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। योगगुरु बाबा रामदेव को एक बार फिर अदालत से झटका लगा है। अब दिल्ली हाई कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को उस दावे को सोशल मीडिया से वापस लेने को कहा है जिसमें कोरोनिल को कोरोना का इलाज बताते हुए प्रमोट किया गया था। इसके साथ ही एलोपैथी के प्रभाव को लेकर कहीं गईं बातों को भी वापस लेना होगा। कोर्ट ने उन्हें 3 दिन के भीतर ऐसा करने को कहा है। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी की बेंच ने फैसला देते हुए कहा, मैं आवेदन को मंजूर कर रहा हूं। मैंने कुछ सामग्री, पोस्ट को हटाने को कहा है। मैंने बचाव पक्ष को तीन दिन के भीतर हटाने को कहा है, नहीं तो मैंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ऐसा करने का निर्देश दिया है। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने पक्षकारों की दलीलें सुनने के बाद 21 मई को इस मुद्दे पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

48 वोट से चुनावी जीत के मामले में फंसे रवींद्र वायकर

- शिंदे गुट के सांसद को हाईकोर्ट से मिला समन, बढ़ेगी मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए के एक सांसद की मामूली वोटों से हुई जीत उसके लिए मुसीबत बनी हुई है और ये कोई और नहीं बल्कि महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के गुट की शिवसेना के सासंद रवींद्र वायकर हैं, जो कि महज 48 वोटों से लोकसभा चुनाव जीतकर देश की संसद पहुंचे हैं। उनके खिलाफ अब बॉम्बे हाईकोर्ट ने समन जारी किया है। वायकर को मुसीबत में डालने वाले उद्धव गुट की शिवसेना के नेता अमोल कीर्तिकार हैं, जिन्होंने कोर्ट में याचिका लगाकर वायकर की जीत को रद्द करने की मांग की है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में शिंदे गुट की शिवसेना के रवींद्र वायकर ने मुंबई नॉर्थ वेस्ट सीट से महज 48 वोट से जीत दर्ज की थी।

अटकलों के बीच दोनों डिप्टी सीएम के साथ दिखे योगी

केशव प्रसाद मौर्य बोले-धोखा है अखिलेश यादव का पीडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया है, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जारी सियासी संग्राम की झलक एक बार फिर देखने को मिल रही है। वहीं आज लंबे अरसे बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सत्र शुरू होने से पहले विधायक दल की बैठक में मंच पर अपने दोनों ही डिप्टी सीएम यानी केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक के साथ नजर आए हैं। यह मौका इसलिए खास है क्योंकि लंबे वक्त से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों ही डिप्टी, सीएम योगी से नाराज हैं और यूपी बीजेपी में एक बड़ी फूट हो गई है। लोकसभा चुनाव के बाद से जारी कयासों पर आज तीनों ने एक साथ आकर ब्रेक लगा दिया है। बता दें कि लंबे वक्त से अटकलें थीं कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी को लगे झटके के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सीएम योगी के खिलाफ अंदरखाने मोर्चा खोले हुए थे और उन्होंने आलाकमान के सामने सीएम योगी को हटाने तक की मांग रखी थी। दूसरी ओर केशव प्रसाद मौर्य से लेकर बृजेश पाठक तक, दोनों ही कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंच रहे थे।

बाबा गरीबनाथ मंदिर में 3 किमी तक लाइन

दूसरी सोमवारी पर बिहार के शिवालयों में उमड़ी भीड़, 2.75 लाख श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया

पटना, एजेंसी। आज सावन की दूसरी सोमवारी है। सावन माह के दूसरे सोमवार को प्रदोष काल में महादेव की पूजा सबसे उत्तम है। बिहार के प्रमुख मंदिरों में देर रात से ही श्रद्दालुओं की भीड़ उमड़ी। पटना के बोरिंग रोड चौराहा स्थित शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिली। सुबह 6 बजे ही पूजा के लिए शिवालय खुल गया।

सुबह से दर्शन का सिलसिला जो शाम तक चला । शाम में भव्य आरती के साथ ही भगवान का श्रृंगार फूलों के साथ साथ बर्फ से भी किया गया। आरती के बाद भक्तों को खीर का प्रसाद वितरण किया गया।इधर, मुजफ्फरपुर के बाबा गरीबनाथ मंदिर में रविवार की आधी रात से 2.75 लाख श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया है। भक्तों की लंबी लाइन देखी गई। हर-हर महादेव के नारों से मंदिर परिसर गूंजता रहा। वहीं, दरभंगा के कुशेश्वर स्थान मंदिर में भी देर रात से श्रद्धालुओं की लंबी लाइन लगी रही। यहां अभी तक करीब 70 हजार लोग जल चढ़ा चुके हैं। अभी भी लाइन में भक्त लगे हुए हैं। इधर, भागलपुर के सुल्तानगंज मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। यहां से सोमवार को जल उठाकर श्रद्धालु बाबा धाम देवघर के लिए निकलते हैं।

मुजफ्फरपुर के गरीबनाथ मंदिर में उमड़ी भीड़

गरीबनाथ मंदिर में उ्यरूतक लंबी लाइन भक्तों की लगी रही। रविवार की रात 8 बजे ही बाबा का दूसरी सोमवारी में जलाभिषेक करने के लिए कांवरिया और भक्त कतारबद्ध हैं। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ देर रात के बाद अरघा के मध्य से कांवरिया और श्रद्धालुओं ने बाबा पर जलाभिषेक किया। रात 12 बजे से ही श्रद्धालुओं ने बाबा को जल चढ़ाना शुरू कर दिया था।

2.75 लाख कांवरिया ने किया जलाभिषेक

सावन की दूसरी सोमवारी में रात 12 बजे से लेकर 6 बजे सुबह तक 2.75 लाख कांवरिया और स्थानीय लोगों ने जलाभिषेक किया। बाबा गरीबनाथ मंदिर से 100 मीटर पहले माखन साह चौक से कांवरियों को नियंत्रित और पंक्तिबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया गया। डाक बम लेकर आने वाले कांवरियों को हरिसभा चौक से सीधे साहू रोड होते हुए मंदिर मार्ग में प्रवेश कराया जा रहा था। उन्हें रास्ते में किसी तरह की बाधा नहीं हो, इसका विशेष ख्याल रखा गया। आधी रात के बाद से जलाभिषेक के लिए कांवरियों की भीड़ बढ़ती गई।

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ किया जलाभिषेक

सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ के जलाभिषेक के लिए शनिवार की रात से ही कांवरिए शहर की सीमा में प्रवेश करने लगे। कांवरिया पथ में हाजीपुर की ओर से सरैया, भगवानपुर, कफेन और गोरौल हुए तुर्की आदि मुख्य पथ पर हजारों कांवरिए बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ झूमते आगे बढ़ते रहे।

5 लाख भक्तों के आने का अनुमान

दरभंगा जिले में अवस्थित कुशेश्वर स्थान मंदिर जिसे मिथिला का देवघर भी कहा जाता है। यहां देर रात से ही बना पर जल चढ़ाने को लेकर 6 किलोमिटल लंबी कतार लगी है। यह कतार पारो चौक से शुरू होकर बाबा मंदिर तक जाती है। न्यास बोर्ड और स्थानीय प्रशासन के द्वार सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी गई है। अभी लगभग 70 हजार से ज्यादा लोग जल चढ़ा चुके है। न्यास बोर्ड की माने तो उनके अनुसार आज पूरे दिन में 5 लाख भक्तों के आने आसार है।

दूसरी सोमवारी पर अहम संयोग

आज भरणी नक्षत्र और कृतिका नक्षत्र के युग्म संयोग बन रहे हैं। आज के दिन रुद्राभिषेक करने से मानसिक अशांति, गृह क्लेश और स्वास्थ्य संबंधी चिंता दूर हो जाती है। प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के 45 मिनट पहले या 45 मिनट बाद पूजा करना सबसे उत्तम माना जाता है। शिवालयों में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। श्रद्धालु गंगाजल, बेलपत्र, भांग, धतूरा, शहद, भस्म आदि से पूजा कर रहे हैं। सावन की सोमवारी पर विशेषकर शिव की कृपा बरसती है। इससे मंदिरों में भोलेनाथ के भक्त अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और शिव की कृपा पाने के लिए जलाभिषेक और रुद्राभिषेक कर रहे हैं।

ऐसे बना है पुण्यकारी युग्म संयोग

ज्योतिषाचार्य राकेश झा के मुताबिक, आज सावन के दूसरे सोमवार पर नक्षत्रों युग्म संयोग के साथ श्रावण कृष्ण नवमी तिथि, तैतिल करण और जयद् योग होने से पुण्यकारी संयोग बना है। इस योग में साम्ब सदाशिव की पूजा-अर्चना करने से सभी कार्य जल्द सिद्ध होंगे। सच्चे मन से पूजा करने पर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद मिलता है।

शिव को अर्पित करने वाले वस्तु की महत्ता

गंगाजल: शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने से मानसिक अशांति से मुक्ति मिलती है।

दूध: भगवान शंकर को दूध अर्पित करने से उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है।

दही: शिवलिंग पर दही चढ़ाने से जीवन में स्थिरता, गंभीरता आती है और बाधाएं दूर होती है।

घी: महादेव को घी से स्नान कराने से पौरुष, बल, बुद्धि, विवेक में वृद्धि होती है।

मधु: शिवलिंग को मधु से स्नान कराने से वाणी में मधुरता आती है।

गुड़: भोलेनाथ को गुड़ मिश्रित जल से अभिषेक करने से दुःख, कष्ट व दरिद्रता का ह्रास होता है।

इत्र: शिवलिंग पर सुगंधित इत्र लगाने से मन, कर्म, विचार पवित्र व शुद्ध होते हैं।

केसर: शिव शंकर को दूध, गंगाजल व चंदन के केसर मिलाकर चढ़ाने से यश, वैभव व सौम्यता में वृद्धि होती है।

भांग: महादेव को भांग चढ़ाने से रोग-शोक, कष्ट, नकारात्मक ऊर्जा आदि का नाश होता है।

चंदन: शिव को चंदन, भस्म आदि लगाने से मान-सम्मान, यश-कीर्ति में वृद्धि होती है।

शिव पूजन से तीनों लोक का सुख

आचार्य राकेश झा ने पुराणों के हवाले से कहते हैं कि अन्य दिनों की अपेक्षा सावन के दूसरी सोमवारी में शिव की सच्चे मन से पूजा करने पर कई गुणा पुण्यफल मिलता है। शिव के रूद्र रूप को उग्र माना जाता है, लेकिन प्रसन्न होने पर ये तीनों लोकों के सुखों को भक्तों के लिए सुलभ कर देते हैं।

लंबी दूरी की 26 ट्रेनें अगस्त के पहले सप्ताह तक रद्द

पूर्वोत्तर व उत्तर भारत जाने वाले हजारों यात्रियों ने अपनी यात्रा रद्द की

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। यूपी में नन इंटरलॉकिंग(एनआई) कार्य को लेकर अमृतसर, जम्मूत्वी, गुवाहाटी, दिल्ली व डिब्रूगढ़ आदि स्टेशन जाने वाली लंबी दूरी की 26 ट्रेनें रद्द होने से रविवार को हजारों यात्री परेशान रहे। इस कारण बरौनी-जम्मूतवी मौर्यध्वज, सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस, लालगढ़-डिब्रूगढ़ अवध असम समेत उत्तर बिहार से चलने वालीं 26 ट्रेनें जुलाई के अंतिम सप्ताह से लेकर अगस्त के प्रथम सप्ताह तक रद्द रहेंगी। इसकी वजह से हजारों यात्रियों को गुवाहाटी, तिनसुकिया, दीमापुर, जम्मूतवी, अमृतसर, दिल्ली आदि शहरों की यात्रा स्थगित करनी पड़ रही है। यूपी के शाहजहांपुर-लखनऊ खंड पर रोजा स्टेशन के यार्ड रिमाडलिंग एवं रोजा-सीतापुर सिटी के बीच दोहरीकरण कार्य के मद्देनजर एनआई कार्य को लेकर इन ट्रेनों को रद्द, मार्ग परिवर्तन एवं पुनर्निर्धारण किया गया है। 28 जुलाई एवं 4 अगस्त को खुलने वाली 12491 बरौनी-जम्मूतवी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इस कारण रविवार को जम्मूतवी जाने वाले सैकड़ों यात्री जंक्शन से लौट गए। चंडीगढ़ से 31 जुलाई व 4 अगस्त को खुलने वाली 15904 चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ से 29 जुलाई व 2 अगस्त को खुलने वाली 15903 डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस, सहरसा से 4 व 5 अगस्त को खुलने वाली 12203 सहरसा-अमृतसर गरीबरथ एक्सप्रेस, अमृतसर से 3 व 4 अगस्त को खुलने वाली 12204 अमृतसर-सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस, लालगढ़ से 1 से 4 अगस्त तक खुलने वाली 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ अवध असम एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ से 29 जुलाई से 1 अगस्त तक खुलने वाली 15909 डिब्रूगढ़-लालगढ़ एक्सप्रेस, गुवाहाटी से 31 जुलाई को खुलने वाली 15653 गुवाहाटी-जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी से 31 जुलाई एवं 7 अगस्त को खुलने वाली 12407 न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर कर्मभूमि एक्सप्रेस एवं अमृतसर से 2 अगस्त को खुलने वाली 12408 अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी कर्मभूमि एक्सप्रेस।

दो बाइक की टक्कर में तीन युवक जख्मी

सहरसा, एजेंसी। थाना क्षेत्र के माठा मोड़-कोपरिया गांव के बीच बबुजना पूल के समीप बाइक के आमने सामने की टक्कर में तीन युवक बुरी तरह घायल हो गया। जिसे राहगीरों की मदद से सलखुआ अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां ऑन ड्यूटी तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर स्थिति चिंताजनक देख बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल सहरसा रेफर कर दिया। घटना के सम्बंध में बताया जाता है कि सिमरि बख्तियारपुर की और से मुंगेर के छर्रापट्टी एक बाइक पर सवार दो युवक सिमरि बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के खमोती निवासी अशोक बढ़ई के पुत्र उदय कुमार व माखन टोला निवासी रामस्वरूप पासवान के पुत्र बबलू कुमार जलभोजी के लिए बोलबम जा रहा था, अचानक कोपरिया की और से आ रहे बाइक सवार बनमा इटहरी थाना क्षेत्र के हथमण्डल निवासी जयइंदर यादव के पुत्र देवानंद कुमार यादव के बाइक की आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गयी। जिससे दोनों बाइक सवार बुरी तरह जख्मी हो गया। जिसे कांवरियों व राहगीरों की मदद से सलखुआ अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया। जहां स्थिति नाजुक देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर तीनों घायलों को बेहतर इलाज हेतु परिजनों को सूचना देते रेफर कर दिया। वहीं घटना की सूचना पर सलखुआ थाना पुलिस अस्पताल पहुँच मामले की जानकारी लेते तीनों घायलों को बेहतर इलाज हेतु सदर अस्पताल भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

शिक्षा सप्ताह में पारंपरिक कला को मिलेगा बढ़ावा अपनी संस्कृति को याद करेंगे बच्चे

पटना, एजेंसी। बिहार की संस्कृति को पुनर्जीवित करने के लिए शिक्षा विभाग स्कूल स्तर शिक्षा सप्ताह का आयोजन कर रहा है। शिक्षा सप्ताह के तहत चलने वाले कार्यक्रम में पारंपरिक कला को बढ़ावा दिया जाएगा। इसमें नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, विभिन्न लोक व क्षेत्रीय समकालीन शैलियों में कहानी सुनना, वेशभूषा, भोजन, कला, वस्तुकला, चित्रकला, नृत्य, संगीत, रंगमंच जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा जिसको देख बच्चे अपने इतिहास को याद कर सकें। जैविक खेती, बागबानी-नर्सरी, डेयरी फार्म, पशुपालन, सहकारी समिति, पार्क, जंगल, उद्यानों, अन्न की पहचान, सब्जी की पहचान और पौधे की पहचान व उसकी जानकारी देना शामिल है।

पढ़ाई के अलावा खेल और शिल्पकारी को दिया जाएगा बढ़ावा

शिक्षा सप्ताह के तहत स्कूलों में स्थानीय खेल और शिल्पकारी जैसी चीजों को बढ़ावा दिया जा रहा है। शिक्षा सप्ताह के तहत स्कूलों में तीन अगस्त तक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित होंगे। बिहार की संस्कृति, परंपरा और खेल को भूल चुके बच्चों को फिर से याद दिलाया जाएगा। इस मोबाइल और इंटरनेट मीडिया युग में बच्चे अपनी पुरानी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। कभी बच्चे खेल-खेल में मिट्टी से खिलौने बनाया करते थे, आज इसी चीज को फिर से स्कूलों में देखने को मिलेगा। शिक्षा विभाग ने स्कूलों में पढ़ाई के अलावा इस तरह के कार्यक्रम तैयार किया है। इसमें बच्चों द्वारा मिट्टी का ढालना, उसे विभिन्न रूपों में आकार देना, कटोरे, फूलदान, मिट्टी से बर्तन बनाने, मिट्टी से ऐतिहासिक वस्तुओं का निर्माण कर इतिहास और उसके महत्व की जानकारी देना है।

बच्चों के लिए शिल्प कार्यशाला आयोजित होगी

बच्चों को पुराने कपड़ों से बैग बनाना और डिजाइन करने के तरीके बताएं जाएंगे। स्कूलों में बांस शिल्प कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसके तहत बच्चों को बांस को काटना, विभाजित करना, आकार देना और जोड़ना सिखाया जाएगा। इसके साथ ही पारंपरिक तरीके से जैसे आरी से काटना, प्राकृतिक रेशों या आधुनिक चिपकने वाले पदार्थों से बांध कर बांस से उपयोगी वस्तु का निर्माण करना जिनमें टोकरी तैयार करना, फूलदान, पेन स्टैंड, सजावटी समान, बांस पर पेंटिंग कर नक्काशी करना आदि चीजें बच्चों को बताई जाएंगी। बच्चों को स्थानीय संस्कृति से परिचित कराने के लिए स्वदेशी खेलों को शामिल किया गया है।

इसमें लूडो खेलना, कबड्डी, कित-कित, कैरम, फुटबाल, हॉकी सहित अन्य इंडोर गेम और आउट डोर आयोजित किए जाएंगे। शिक्षकों से कहा गया है कि खेलने के समय बच्चों का पूरा ख्याल रखें। कोशिश करें के स्वदेशी खेल ज्यादा हो, जिसको आज के बच्चे भूल चुके हैं।

10 मिनट तक ऑनलाइन परीक्षा ली... फिर सेंटर बंद कर संचालक फरार हुआ

पटना, एजेंसी। जालसाजों ने जल संसाधन मंत्रालय में यूडीसी, स्टेनो और एमटीएस के पदों पर बहाली के नाम पर सैकड़ों अभ्यर्थियों से करोड़ों की ठगी कर ली। रविवार को बाइपास थाना क्षेत्र के धवलपुरा स्थित सनराइज इनोवेशंस ऑनलाइन एग्जामिनेशन सेंटर में दो पालियों में परीक्षा थी। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे शुरू हुई। 10 मिनट के बाद ही परीक्षा बंद कर दी गई। केंद्र के संचालक द्वारा बताया गया कि परीक्षा रद्द कर दी गई है। इसके बाद परीक्षा केंद्र को बंद कर संचालक और स्टाफ फरार हो गए। इससे गुस्साए छात्र बाइपास पर आ गए और एनएच को जाम कर दिया। बाइपास थाने की पुलिस ने छात्रों को समझा-बुझाकर शांत कराया। ऑनलाइन परीक्षा केंद्र के संचालक सुबोध कुमार ने पूछने पर बताया कि दो शिफ्टों में करीब 260 अभ्यर्थी परीक्षा देने वाले थे। आधे सिस्टम पर सर्वर काम नहीं कर रहा था। परीक्षा लेने वाली एजेंसी और उसके प्रतिनिधि इस गड़बड़ी को लेकर कोई जवाब नहीं दे रहे थे। इस कारण मुझे लगा कि मामला गड़बड़ है और मैंने सेंटर बंद कर दिया। इधर, पटना सिटी के एसडीपीओ टू गौरव कुमार ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड और विज्ञापन में जल संसाधन मंत्रालय और जलाशय संसाधन परिषद लिखा है। जबकि जल संसाधन मंत्रालय का नाम बदलकर जल शक्ति मंत्रालय पेयजल और स्वच्छता विभाग हो गया है। वहीं वैकेंसी में दिए लिंक पर क्लिक किया गया तो संबंधित विभाग की वेबसाइट खुली ही नहीं। अनुमान लगाया जा रहा है कि जालसाजों ने फर्जी वेबसाइट बनाकर 1185 पदों पर बहाली निकालकर देशभर के सैकड़ों अभ्यर्थियों से करोड़ों की ठगी की है। विज्ञापन में देश के 40 शहरों में ऑनलाइन परीक्षा लेने की जानकारी दी गई थी। वाली एजेंसी और उसके प्रतिनिधि इस गड़बड़ी को लेकर कोई जवाब नहीं दे रहे थे।

अब बिहार के बड़े शहरों में नहीं लगेगा ट्रैफिक जाम ! इन पांच विभागों ने संभाला जिम्मा

पटना, एजेंसी। सूबे के बड़े शहरों में जाम के झाम से निजात दिलाने की जिम्मेदारी अब बिहार सरकार के पांच महकमे मिलकर संभालेंगे। इनमें यातायात के अलावा परिवहन, पथ निर्माण, ग्रामीण कार्य और स्वास्थ्य विभाग को भी टास्क पूरा करना होगा। गृह विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। यातायात चुस्त-दुरुस्त करने की शुरुआत पटना शहर से होगी। बाद में अन्य शहरों में इसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बड़े शहरों में जाम की समस्या पर सजग हैं। सरकार के आदेश के मुताबिक, एडीजी (ट्रैफिक) अन्य चारों विभागों के अधिकारियों के साथ हर माह समीक्षा बैठक कर सभी बिन्दुओं पर विचार-विमर्श करेंगे। सभी विभाग अपनी-अपनी जवाबदेही संभालेंगे और आपस में मंथन कर जाम से निजात पर ठोस कार्ययोजना को अंतिम रूप देंगे। पुलिस के अलावा ट्रैफिक को नियंत्रित करने में परिवहन महकमा की भूमिका भी बेहद खास है। ओवरलोडिंग, वाहनों की फिटनेस से लेकर शहर की सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहनों खासकर ऑटो के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में परिवहन महकमा की पहली जिम्मेदारी है।

पटना को 4 जोन में बांट ऑटो का परिचालन होगा

पटना शहर में जाम की बड़ी वजह ऑटो परिचालन है। मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण व पार्किंग भी बड़ी समस्या है। अब पटना को चार जोन में बांट कर ही सभी शेयरिंग ऑटो का परिचालन कराया जाएगा। ऑटो अपने निर्धारित जोन में ही चलेंगे। जोन बदलने पर इन्हें जब्त कर लिया जाएगा। अभी यह व्यवस्था नहीं होने से किसी रूट में अत्याधिक ऑटो है, तो किसी में कम। इनकी संख्या नियंत्रित होगी। गलत पार्किंग पर कड़ी कार्रवाई होगी। एडीजी, ट्रैफिक बिहार पुलिस, सुधांशु कुमार का कहना है कि प्रदेश में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने में पुलिस, परिवहन समेत अन्य विभागों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक होगी। इससे यातायात को व्यवस्थित करने से संबंधित ठोस कार्ययोजना तैयार करने में मदद मिलेगी। जल्द यातायात को दुरुस्त करने की कवायद व्यापक स्तर पर शुरू होगी।

इसी तरह अन्य विभागों की जिम्मेदारी भी तय रहेगी, जिनकी मदद से ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। पथ निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग की मुख्य जिम्मेदारी प्रमुख सड़कों की मरम्मति करने की होगी। अनेक स्थानों पर सड़क खराब होने से भी जाम लगता या दुर्घटनाएं होती हैं। इसके अलावा सड़कों पर साइनेज, इंडिकेटर, गोलंबर बनाना, सड़कों की चौड़ाई-लंबाई, मोड़, ब्लैक स्पॉट को दूर करना, जरूरत के मुताबिक स्कीड प्रूफ सड़क बनाना समेत ऐसी अन्य जरूरी चीजों को बहाल करने की महती जिम्मेदारी सड़क महकमे की ही है। इनकी मदद से सड़क दुर्घटनाओं को कम करके यातायात सुगम बनाया जा सकता है।

सभी विधानसभा क्षेत्रों के 5-5 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों की मरम्मत होगी

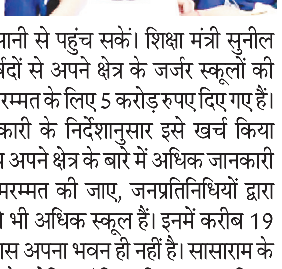

पटना, एजेंसी। राज्य के सभी विधानसभा क्षेत्रों के पांच-पांच जर्जर प्राथमिक और माध्यमिक जर्जर स्कूलों का जीर्णोद्धार होगा। क्षतिग्रस्त छत, दीवार के साथ खिड़की, दरवाजों की भी मरम्मती होगी। स्कूल तक के रास्ते को भी दुरुस्त किया जाएगा जिससे छात्र आसानी से पहुंच सकें। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने सभी विधायकों और विधान पार्षदों से अपने क्षेत्र के जर्जर स्कूलों की लिस्ट मांगी है। प्रत्येक जिले में स्कूलों की मरम्मत के लिए 5 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जिला प्रशासन और जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देशानुसार इसे खर्च किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के बारे में अधिक जानकारी रखते हैं। ऐसे में पहले किन स्कूलों की मरम्मत की जाए, जनप्रतिनिधियों द्वारा बताया जा सकता है। राज्य में 74 हजार से भी अधिक स्कूल हैं। इनमें करीब 19 प्रतिशत जर्जर हैं। तीन प्रतिशत स्कूलों के पास अपना भवन ही नहीं है। सासाराम के सेमरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय, मसौढ़ी के कोरियावां स्थित विद्यालय, कटिहार के कदवा प्रखंड की चंदहर पंचायत स्थित विद्यालय, मुंगेर की तारापुर दियारा पंचायत स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय, बांका के अमरपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय, पूर्वी चंपारण के समपुर मनोरथ स्थित प्राथमिक विद्यालय सहित कई जिलों के विभिन्न प्रखंडों में कई स्कूल जर्जर हैं।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

दस दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ

- साक्षात्कार के उपरांत 35 प्रशिक्षणार्थी ले रहे हैं प्रशिक्षण
- बंजरिया प्रखंड के सेमरा खाप गांव में चल रही है प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया रूरल सेल्फ एंप्लॉयमेंट ट्रेंनिंग इंस्टीट्यूट (सेन्ट आरसेटी) सेंटर, मोतिहारी द्वारा जिले के बंजरिया प्रखंड स्थित सेमरा खाप गांव में सोमवार को पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मण साह के दरवाजे पर ऑफ कैम्पस दस दिवसीय बकरी पालन बिषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का श्रीगणेश डायरेक्टर संजय कुमार झा ने द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। पढ़े-लिखे बेरोजगार नवयुवकों व महिलाओं के लिए यह प्रशिक्षण 29 जुलाई, सोमवार को आरम्भ की गई है जो आगामी 07 अगस्त, बुधवार को समाप्त हो जाएगा। उक्त प्रशिक्षण में प्रशिक्षण के लिए 35 अभ्यथियों का साक्षात्कार के उपरांत चयन किया गया है। उक्त जानकारी सेन्ट आरसेटी निदेशक संजय कुमार झा द्वारा दी गई। निदेशक श्री झा ने कहा कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है, ग्रामीणों को

प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर व अपना व्यवसाय स्थापित करने के योग्य बनाना है। इन्होंने बकरी पालन प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते इनकी जीवन स्तर सुधारने तथा प्रभावशाली बनाने की सलाह दी। निदेशक श्री झा ने बताया कि इससे बेरोजगारी अवश्य दूर होगी साथ ही साथ एक समृद्ध समाज का निर्माण भी होगा। आर्थिक रूप से अक्षम अभ्यर्थियों को बैंक से ऋण लेने की भी सलाह निदेशक द्वारा दी गई। कहा कि प्रशिक्षण के बाद आपलोग अपना-अपना व्यवसाय आरंभ कीजिए जो भी मार्गदर्शन व सहायता की आवश्यकता होगी हमारी संस्था उसे अवश्य पूरा करेगी। सेन्ट आरसेटी संस्था के द्वारा प्रशिक्षण के दरम्यान प्रशिक्षणार्थियों को लेखन सामाग्री (कॉपी व कलम) नास्ता व सुपाच्य पौष्टिक भोजन की व्यवस्था फ्री में की गई है। ज्ञातव्य हो कि ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) को बैंकों द्वारा भारत सरकार और राज्य सरकार के सक्रिय सहयोग से संचालित किया जाता है। बेरोजगारी न्यूनतम करने के लिए आरसेटी एक समर्पित संस्थान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों के बीच साझेदारी से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कार्यक्रम संचालित हो रहा है। आरसेटी कार्यक्रम लघु अवधि के प्रशिक्षण और उद्यमियों की दीर्घकालिक सहायता के दृष्टिकोण के साथ चल रहा है। इसमें 18-45 वर्ष की आयु के बीच के ग्रामीण गरीब युवा प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए पात्र होते हैं। आरसेटी ग्रामीण गरीब युवाओं की आकांक्षाओं को पकड़ते हुए उन्हें उद्यमशीलता कौशल में प्रशिक्षित कर लाभकारी उद्यमी बना कर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

31 जुलाई तक शत-प्रतिशत सीएमआर अधिप्राप्ति सुनिश्चित कराई जाएः अनुमंडल पदाधिकारी

बीएनएम। मोतिहारी

सोमवार को अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी श्रेष्ठ अनुपम की अध्यक्षता में जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, सभी प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, सदर अनुमंडल, पैक्स अध्यक्ष एवं संबंधित मिलर की बैठक दिनांक 31.07.2024 तक शत् प्रतिशत सीएमआर अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु आहूत की गई। बैठक में अवशेष सीएमआर की स्थिति की समीक्षा में सुगौली प्रखंड में 19 लॉट, बंजरिया में 16 लॉट, तुरकौलिया में 23 लॉट, मोतिहारी में 22 लॉट, कोटवा में 10 लॉट तथा पिपरा कोठी प्रखंड में 01 लॉट अवशेष पाया गया। उक्त सभी प्रखण्ड के प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि दिनांक 31.07.2024 तक उक्त अवशेष सीएमआर लॉट को शत् प्रतिशत राज्य आद्य निगम के सीएमआर केन्द्र पर जमा कराना सुनिश्चित करेंगे। इस आशय का विश्वास उपस्थित सभी पैक्स अध्यक्षों के द्वारा दिया गया। उपस्थित मिलरों को भी लिए गए धान के विरुद्ध अविलम्ब सीएमआर आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी, सदर के द्वारा स्पष्ट किया गया कि वर्तमान में अधिप्राप्ति हेतु अवधि विस्तार की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में दिनांक 31.07.2024 तक शत्-प्रतिशत सीएमआर नहीं गिरने की स्थिति में पैक्स/मिलर/प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को चिन्हित करते हुए कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

करंट लगने से एक गर्भवती महिला की मौत

बीएनएम। रामगढ़वा

रामगढ़वा में बिजली का करंट लगने से दो महीने की एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। जबकि उसका पति भी इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया है। सोमवार सुबह को हुई घटना में घायल हुए दीपक पटेल का इलाज रामगढ़वा पीएचसी में चल रहा है। जबकि इस घटना में जान गंवाने वाली सीमा देवी के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी अस्पताल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, रामगढ़वा के नौकठवा गांव स्थित दीपक पटेल के घर में लोहे का दरवाजा लगा था। किसी कारण बिजली के तार से करंट दरवाजे में प्रवाहित हो रहा था। इससे घर के सभी लोग अनजान थे। सोमवार की सुबह सीमा देवी जब उक्त दरवाजे को खोलने का प्रयास कर रही थी, तभी वह बिजली के करंट की चपेट में आ गई और वह दरवाजे से सट गई। इस वजह से घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, उसे बचाने आया उसका पति दीपक पटेल भी विद्युत करंट की चपेट में आ गया और वह झटका खाकर गिर गया, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों को जब पता लगा तो उन्होंने दीपक के घर के बिजली कनेक्शन के तार को बांस से पीटकर बिजली के खंभे से छुड़ाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस घटना में गांव तमाशबीन बने रहे। जबकि अन्य लोग भी बिजली करंट की चपेट में आ सकते थे, क्योंकि मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए थे। तभी किसी को यह बात सूझी और बिजली कनेक्शन को काटा गया। बिजली करंट लगने से एक ही परिवार में एक महिला की मौत और एक के गंभीर रूप से घायल हो जाने से गांव में अफरातफरी का माहौल हो गया। जानकारी के मुताबिक, सीमा देवी दो महीने की गर्भवती थी। उसकी शादी दीपक पटेल से दो साल पहले हुई थी। दोनों के बाल-बच्चे नहीं हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस घटना में गांव तमाशबीन बने रहे। जबकि अन्य लोग भी बिजली करंट की चपेट में आ सकते थे, क्योंकि मौके पर भारी संख्या में लोग जमा हो गए थे। तभी किसी ने बिजली कनेक्शन को काट दिया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन को लेकर बैठक संपन्न हुई। उक्त बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय, उप मेयर डॉ. लालबाबू प्रसाद, जिला स्तरीय पदाधिकारी, सचिव गांधी संग्रहालय, संस्कृति कर्मी एवं अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति निर्णय लिया गया कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह नगर स्थित ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित किया जाएगा जहां सुबह के 9:00 बजे प्रभारी मंत्री के द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसके लिए प्रभारी मंत्री-सह-शिक्षा मंत्री बिहार सरकार को ससमय अनुरोध पत्र भेजने का निर्देश प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य शाखा को दिया गया। गांधी

मैदान स्थित गांधी उद्यान में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर सुबह 8:00 बजे एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर सुबह 8:05 बजे माल्यार्पण करने का निर्णय लिया गया। गांधी मैदान, गांधी उद्यान, समाहरणालय परिसर सहित सभी प्रमुख पथों की साफ-सफाई का निर्देश नगर निगम मोतिहारी को दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने का निर्णय लिया गया इसके लिए नगर निगम मोतिहारी को इन प्रतिमाओं एवं प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए एक पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति करने एवं माल्यार्पण के लिए स्थानीय समितियां/नागरिकों से वार्ता कर समय निर्धारित कर माल्यार्पण में भाग लेने का निर्देश दिया गया। गांधी जी से जुड़े स्थलों पर भी समारोह पूर्वक झंडोत्तोलन करने का निर्णय इस बैठक में लिया गया। अपर समाहर्ता ने कहा कि इसके लिए पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। मुख्य समारोह स्थल गांधी मैदान में मंच निर्माण, रंग रोगन एवं बैरिकेडिंग कराने का निर्देश कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल, मोतिहारी को दिया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह का लाइव प्रदर्शन सोशल मीडिया, फेसबुक, वेव कास्ट के माध्यम से कराने का निर्णय लिया गया ताकि लोग स्वतंत्रता दिवस समारोह का दृश्यावलोकन कर सकें। समारोह में आमंत्रित गणमान्य एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बैठने के लिए वाटरप्रूफ टेंट पंडाल एवं आवश्यक मात्रा में कुर्सियों की व्यवस्था के लिए जिला नजारत शाखा को निर्देश दिया गया। अपर समाहर्ता ने कहा कि प्रेस प्रतिनिधियों, महिलाओं, महत्वपूर्ण व्यक्तियों एवं आमंत्रित अतिथियों के लिए अलग-अलग व्यवस्था कराई जाएगी। इस अवसर पर जिला के स्वतंत्रता सेनानियों को महात्मा गांधी से संबंधित मोमेंट, शॉल एवं पुष्प गुच्छ से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2024 को गांधी मैदान मोतिहारी में दिन में 1:00 से फैंसी खेल प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर निर्णय किया गया और इसकी जिम्मेवारी जिला खेल पदाधिकारी को दी गई। इस अवसर पर शहर स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में सांस्कृतिक संध्या के आयोजन का निर्णय लिया गया और उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में सांस्कृतिक आयोजन समिति एवं चयन समिति गठित की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में समूह नृत्य, समूह गान, एकल गायन, एकल नृत्य, थीम आधारित नृत्य आयोजन किया जाएगा। स्वच्छता से संबंधित लघु नाटिका एवं महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित गायन का आयोजन किया जा सकता है। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के 10वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं की भागीदारी सुनिश्चित कराएंगे। एक विद्यालय के अधिकतम दो कार्यक्रम ही सम्मिलित किए जाएंगे। प्रत्येक विद्यालय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में मोमेंटो दिया जाएगा एवं अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला के महादलित टोलों में टोले के बुजुर्ग महादलित व्यक्ति अथवा महिला से झंडोत्तोलन कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रत्येक महादलित टोले में एक सरकारी पदाधिकारी उपस्थित होकर लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी देंगे।

एमडीसी पेपर्स की परीक्षा आज होगी आरंभ

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सोमवार को छठे दिन भी बीआरए बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के निर्देशानुसार सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा शांतिपूर्ण व स्वच्छ वातावरण में संचालित हुई। एलएनडी कॉलेज के केंद्राधीक्षक प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि यह केंद्र शांतिपूर्ण व कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन के लिए सदा सुप्रसिद्ध रहा है। यहां सभी परीक्षार्थियों सीसीटीवी की सतत् निगरानी में परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सर्वेश दूबे के अनुसार शुक्रवार को सत्र 2023-27 के चार वर्षीय यूजी सीबीसीएस सेकेंड सेमेस्टर के लिए प्रथम पाली में ग्रुप ई व द्वितीय पाली में ग्रुप एफ के माईनर पत्रों की परीक्षा थी। प्रथम पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 112 परीक्षार्थियों में 108 उपस्थित व 4 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल आवंटित 180 परीक्षार्थियों में 179 उपस्थित व एक अनुपस्थित रहा। निष्कासित परीक्षार्थियों की कुल संख्या शून्य रही। संयुक्त केंद्राधीक्षक डॉ.कुमार राकेश रंजन ने बताया कि मेजर व माईनर पेपर्स की परीक्षा समाप्त हो चुकी है। आज मंगलवार से मल्टी डिसीप्लीनरी कोर्स के पेपर्स की परीक्षा आरंभ हो रही है। मंगलवार को प्रथम पाली में ग्रुप ए के इतिहास तथा द्वितीय पाली में ग्रुप बी के संगीत, दर्शनशास्त्र व राजनीति शास्त्र एमबीसी पत्र की परीक्षा ली जाएगी। ज्ञात हो कि इस केंद्र पर डॉ.श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय, मोतिहारी, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कालेज एवं केएसआरएनएस कालेज केसरिया के परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी कमलेश कुमार सिंह व आरक्षक भी अपने कर्तव्य निर्वहन पर मुस्तैद रहे। इस परीक्षा के संचालन में डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, प्रो.राकेश रंजन कुमार, डॉ.रविरंजन सिंह, रेखा कुमारी, प्रियंका कुमारी, रणविजय सिंह आदि वीक्षकों महत्वपूर्ण भुमिका रही।

अभाविप का सदस्यता अभियान को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीएनएम। शिवहर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद संगठन जिला शिवहर द्वारा सोमवार को आगामी होने वाले विश्व के सबसे बड़ा छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का सदस्यता हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अंगीभूत डिग्री महाविद्यालय शिवहर में किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उत्तर बिहार के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आयुष आयु आदित्य, जिला संयोजक सौरव कुमार सिंह संयुक्त रूप से इस कार्यशाला में कार्यकताओं का आगामी सदस्यता अभियान को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य आयुष आयु आदित्य ने बताया कि यह सदस्यता अभियान 1 अगस्त से लेकर 31 अगस्त तक तीन चरणों चलाया जाएगा 01 से 12 अगस्त तक स्कुली विद्यार्थीयों कि सदस्यता, 16 अगस्त से 27 अगस्त तक महाविद्यालय में एवं अन्य शैक्षणिक संस्थाओं कि सदस्यता, 28 से 30 अगस्त शिक्षकों कि सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। इस सदस्यता अभियान हेतु जिला सदस्यता प्रमुख विकाश कुमार को बनाया

गया। जिसमें महाविद्यालय सदस्यता प्रमुख हरिश्चंद्र कुमार, महाविद्यालय सह सदस्यता प्रमुख अनु कुमारी को बनाया गया। जिला संयोजक सौरव कुमार सिंह ने बताया कि परिषद का यह सदस्यता अभियान नगर गांव मोहल्ला, विद्यालय, महाविद्यालय एवं कोचिंग संस्थान में जाकर हम सभी को इस सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए जोश के साथ लगना और इस सदस्यता अभियान को सफल बनाना होगा। सदस्यता करने का हम सभी का एक ही उद्देश्य है। हम सभी को छात्र हित में कार्य करना क्योंकि जब हम सभी को छात्र/छात्राएं की संख्या नहीं होगा, तब कुछ नहीं कर पाते हैं। इस कार्यशाला में राधा कुमारी,सुरैया शम्स, सुभाष कुमार, रोहित कुमार, राकेश कुमार, योगेश राज, रोहित कुमार, विशाल कुमार एवं मुकेश कुमार उपस्थित रहे।

निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

रोटरी मोतिहारी लेक टाउन ने सोमवार को शहर के छतौनी स्थित रो. डॉ. चन्दन कुमार के क्लिनिक में अपना स्थायी प्रोजेक्ट दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। अध्यक्ष रो. रोहित गुप्ता ने बताया कि क्लब हर महीने के अंतिम रविवार को यह शिविर डॉ. चन्दन कुमार के क्लिनिक पर लगाता है और शिविर के माध्यम से दंत चिकित्सा एवं दाँतों के उचित देखभाल हेतु मुफ्त परामर्श दिया जाता है। क्लब के सचिव रो. प्रियंका सरकार ने बताया कि इस शिविर में लगभग 30 से 35 लाभार्थीयों को उचित दंत चिकित्सा से लाभान्वित हुए। सचिव रो. प्रियंका सरकार ने बताया कि आज दातों एवं मसूड़ों के अचित देखभाल हेतु एक जागरूकता अभियान भी चलाया गया जिसमें करीब 80 लोग सम्मलित हुए और दंत चिकित्स डॉ. चन्दन के बताए गए उपायों पर अमल करने हेतु अपनी सहमती प्रदान की। उपरोक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर क्लब के मिडिया प्रभारी रो. राजीव कुमार राजू के द्वारा दी गई।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सावन की दूसरी सोमवारी दो लाख से अधिक कांवरियों ने बाबा सोमेश्वर नाथ पर किया जलाभिषेक

बीएनएम। अरेराज

सावन की दूसरी सोमवारी को बिहार के सुप्रसिद्ध अरेराज बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में मध्य रात्रि से ही भक्तों की भारी भीड़ दर्शन पूजा के लिए उमड़ गई। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन के द्वारा रात्रि 2 बजे प्रथम पूजा करने के बाद मंदिर का कपाट भक्तों के लिए खोल दिया गया। कपाट खुलने के बाद से तीन कतार एवं दो आरघा के माध्यम से देर शाम तक महिला एवं पुरुष भक्तों ने भगवान भोलेनाथ के पंचमुखी शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। देर शाम तक से लगभग दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। महादेव की नगरी में हर हर महादेव और जय शिव के उद्घोष से मंदिर का शिवालय सहित पूरी अरेराज की नगरी गुञ्जमान हो गई। मंदिर प्रबंधन के साथ-साथ अरेराज एसडीएम अरूण कुमार, डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में पदाधिकारी एवं पुलिस टीम का भक्तों के भीड़ को नियंत्रित करते दिखे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अरेराज मंदिर परिसर सहित अन्य चिन्हित जगहों पर फिक्स एवं ड्राप गेट बनाए गए थे। सभी जगहों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बलों की तैनाती रही। जिससे भीड़ का नियंत्रण हो एवं महादेव की नगरी में आए भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। मंदिर प्रबंधन के द्वारा भक्तों की भीड़ को नियंत्रण करने व भक्तों की सुविधा का खास ध्यान रखा गया था। जिससें किसी प्रकार की परेशानी नही हो। भक्तों के लम्बी लाईन से मंदिर के इंट्री प्वाइंट कांवरियां चौक पर सुरक्षा का बेहतर इंतजाम के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं बलो की तैनाती अधिक संख्या मे की गई थी। जिससे भक्त मंदिर मे कतारबद्ध होकर जाये और भीड़ नियंत्रण मे रहे। भीड़ को नियंत्रण करने मे खासकर डीएसपी की भूमिका विभिन्न जगहों पर दिखी।

दिन भर श्रद्धालु भीषण गर्मी से रहे परेशान

सावन की दूसरी सोमवारी को बाबा सोमेश्वर नाथ में जल अर्पण करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भीषण गर्मी के बीच बाबा पर जल चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं की आस्था भरी पड़ी। पारा लगभग 42 डिग्री के पार होने के बाद भी श्रद्धालु बाबा पर जल चढ़ाने के लिए दिनभर कतार में लग रहे। बाबा के मंदिर जाने वाली सभी सड़के श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से पटी रही।

गाजे बाजे के साथ निकला जुलूस

सुबह से लेकर देर शाम तक लगातार ही भक्ति गीतों पर थिरकते जूलूस के साथ भक्त पहुंचे। भक्ति रंग में सराबोर होकर भक्त भगवान भोलेनाथ के पंचमुखी शिवलिंग पर सावन की दूसरी सोमवारी को दर्शन पूजा के लिए जाते दिखे। भक्ति गीतों के साथ जुलूस अरेराज शहर के विभिन्न सड़कों से गलियों से होकर जाते दिखा। जिसमें गेरुआ रंग का कपडा पहने भक्त हर हर महादेव का नारा लगाते महादेव की नगरी में देर शाम तक आते रहे। मौके पर अरेराज सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता, सीओ उदय प्रताप सिंह, थानाध्यक्ष विभा कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं पुलिस बल उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर लगाया गया

मंदिर परिसर में आवश्यकता के अनुसार भक्तों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के लिए मेडिकल कैंप लगाया गया था। जिसमे विभिन्न जगहों से आए भक्तों का उपचार किया गया। इसके साथ ही आपातकाल के लिए एंबुलेंस को भी तैनात रखा जा रहा है। वही मंदिर परिसर में भक्तों के लिए बने नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भक्तों को खोया पाया की सुविधा दी गई। जिससे अपने साथी से भटके भक्तों को सुविधा मिली। महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि महाराज ने बताया कि भक्तों को बेहतर सुविधा मिले इसके लिए मंदिर प्रबंधन हर संभव प्रयास कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी भक्त अरेराज महादेव की नगरी में दर्शन पूजा करने आ रहे है। वे लोग धैर्य का परिचय दें और बारी-बारी से कतारबद्ध होकर महादेव का दर्शन पूजा करें। जिससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

दूसरी सोमवारी को एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था चरमराई

हरदिया चौक से जोगियाड़ होते हुए मंदिर तक जाने वाली सड़क संकीर्ण होने के चलते दोनों साइड से वाहनों के आने-जाने से लंबा जाम लग गया। जिसके चलते श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भीषण गर्मी और कड़ी धूप में श्रद्धालु जाम में घंटों मशक्कत करते नजर आए। पुलिस बल और स्थानीय लोगों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद जाम से निजात पाया गया। उधर मंदिर से पूरब साइड से आने वाली खजुरिया से मंदिर रोड और जागापाकड़ से मंदिर रोड में भी घंटो जाम लग रहा। अरेराज मुख्य चौक से मंदिर वाली सड़क में भी जाम की स्थिति बनी रही लेकिन प्रशासनिक सूझबूझ के कारण जाम से निजात पाया जा सका।

संक्षिप्त समाचार

सर्पदंश से पांच वर्षीय किशोर की मौत

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के सोनबरसा पंचायत वार्ड संख्या 11 में ऋषभ कुमार उम्र 05 वर्ष पिता रवि दास कि रविवार रात्रि को सर्पदंश से मौत हो गई है। मृतक किशोर के माता पूजा देवी ने बताया कि रात के 11 बजे बिस्तर पर मेरा बेटा सोया हुआ था कि आचनक उसकी हल्की सी चीख निकली गई। जब पूछा गया कि क्या हुआ तो उसने बताया कुछ काट लिया है, जब वहा जा कर देखी तो कुछ नहीं था लड़के ने बताया कि बिरनी जैसा कुछ कटा लिया है और ऋषभ सो गया। रात्रि करीब दो बजे बिस्तर पर बैचेनी बढ़ी और चिलाने लगा हम लोग देखे तो, उसके मुंह से झाग निकल रहा था और बेचैनी काफी बढ़ी हुई थी, आवाज तोतली निकल रही थी। उसी वक्त पुरा परिवार में हड़कंप मच गया। लड़के को लेकर श्रीपुर वैद्य जी के पास झाड़फूंक के लिए पहुंचा, जहां पर वैद्य जी ने बताया की अब बहुत अब देर हो चुकी है आप लोग बच्चे को लेकर यहां से जाइए। वहां से परिजन लेकर हरसिद्धि सीएचसी पहुंचे जहां चिकित्सक ने देखने के बाद कहा की अब कुछ नहीं हो सकता बच्चों को लेकर मोतिहारी जाइए पोस्टमार्टम के लिए जहां परिजनों ने पोस्टमार्टम से मना कर दिया और बच्चे को घर ले आए। इस घटना की जानकारी देते हुए शिक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि मृतक ऋषभ के पिता बाहर रहते हैं। घर वालों द्वारा खबर उन तक दे दिया गया है वह अभी रास्ते में है उनके आने के बाद ही बच्चे का दाह संस्कार किया जाएगा।

पचीस लीटर चुलाई शराब के साथ तीन कारोबारी

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहो पर छापामारी कर स्थानीय पुलिस ने 25 लीटर चुलाई शराब के साथ तीन कारोबारी को रविवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कारोबारी में अरुण पासवान पिता रामाशीष पासवान, कपिल देव पासवान पिता स्वर्गीय बाबूलाल पासवान मटियारिया एराजी ननकार संजय राम पिता चंदू राम ग्राम जगापाक्रड निवासी शामिल है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि पकड़े गए कारोबारी को पूछताछ के बाद सोनवार को जेल भेज दिया गया। छापेमारी में दरोगा सुबोध सिंह, दरोगा पिंकी कुमारी शस्त्र बल शामिल थे।

तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक सूची के लिए तैयारियां जोरों पर

बीएनएम। मुजफ्फरपुरः तिरहुत प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त और निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी गोपाल मीणा ने मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी, वैशाली, और शिवहर जिलों के जिलाधिकारियों और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। बैठक का उद्देश्य तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक सूची की सफल और सुचारु तैयारी सुनिश्चित करना था, जिसके लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि भारत का कोई भी नागरिक, जो तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निवासी है, 1 नवंबर 2024 से कम से कम तीन वर्ष पहले किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है या समतुल्य अर्हता रखता है, वह निर्वाचक सूची में नाम दर्ज कराने का पात्र है। तीन वर्ष की अवधि का परिकलन उस तारीख से होगा जब विश्वविद्यालय या संबंधित प्राधिकरण द्वारा अर्हक डिग्री परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था। निर्वाचक सूची में नाम जोड़ने के लिए आवेदक 29 जुलाई से 3 सितंबर तक फार्म 18 में आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन सभी जिलाधिकारी कार्यालयों, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी के कार्यालयों में और सभी मतदान केंद्रों पर जमा किए जा सकते हैं। कुल 89 मतदान केंद्र हैं। आवेदन फार्म जमा करने संबंधी निर्देशों और सावधानियों के बारे में भी जानकारी दी गई। बड़ी संख्या में जमा किए गए आवेदनों, चाहे वे प्रत्यक्ष रूप से जमा कराए गए हों या डाक द्वारा, पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा समावेशन हेतु विचार नहीं किया जाएगा। किसी परिवार का एक सदस्य अपने अन्य सदस्यों के फार्म 18 जमा करवा सकता है। किसी आवेदन में असत्य वक्तव्य या घोषणा करने पर, जिसे आवेदनकर्ता सत्य नहीं मानता या जानता है कि वह असत्य है, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय होगा। तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पब्लिक नोटिस का प्रकाशन 29 जुलाई को हो चुका है। पब्लिक नोटिस का प्रथम पुनर्प्रकाशन 13 अगस्त को और द्वितीय पुनर्प्रकाशन 23 अगस्त को किया जाएगा। निर्वाचक सूची का प्रारूप प्रकाशन 24 सितंबर को होगा, जबकि अंतिम प्रकाशन 6 नवंबर को किया जाएगा।

हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'प्रेमचंद का राष्ट्रभाषा विषयक चिंतन' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के हिन्दी विभाग के तत्वावधान में 'प्रेमचंद का राष्ट्रभाषा विषयक चिंतन' विषय पर एक दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसंवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने की। अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि भाषा मनुष्य की हृदय भूमि से प्रवाहित धारा है, जिसमें अवगाहन करके मनुष्य अपनी निजता का विस्तार करता है। कथाकार प्रेमचंद मनुष्य की संवेदना को अपनी सृजन यात्रा का साथी बनाते हैं। अपनी कहानियों, उपन्यासों, निबंधों में मानव–मन की सूक्ष्म पड़ताल करते हैं। राष्ट्र निर्माण की संकल्पना उनके सृजन में अनुस्यूत है। दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव इस परिसंवाद कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। मुख्य वक्तव्य देते हुए प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव ने कहा कि "भाषा ही वह शक्ति है, जो राष्ट्रीय संदर्भों में हमारे सांस्कृतिक धरातल का निर्माण करती है। भाषा की जड़ों के माध्यम से ही राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की शक्ति आती है।

प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव ने कहा कि बिना राष्ट्रबोध के विश्वबोध नकली है। विश्व की शुभता का मार्ग राष्ट्र से होकर जाता है। यह मार्ग सभी के लिए शुभ हो, इसकी मैं आशा करता हूँ। प्रेमचंद की मान्यता थी कि किसी राष्ट्र के लिए एक राष्ट्रीय भाषा का होना अति आवश्यक है। राष्ट्रभाषा किसी राष्ट्र के निवासियों के भावाभिव्यक्ति का ही मध्यम मात्र ही नहीं होती। बल्कि वह उस राष्ट्र की संस्कृति की संवाहिका भी होती है। हिंदी इस देश की समन्वयवादी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है और देश की अन्य भाषाओं के साथ बराबरी का व्यवहार करते हुए सब के साथ मिलकर राष्ट्रीय चेतना के विकास का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है। प्रेमचंद ने जिस हिंदुस्तानी भाषा को साहित्य में प्रयोग किया, वह तत्कालीन परिस्थितियों के लिहाज से प्रासंगिक थी। हिंदी और उर्दू के मेल से बनी यह भाषा दरअसल अन्य भारतीय भाषाओं के साथ हिंदी के समन्वय को और अधिक बढ़ाने का संदेश देती है। परिसंवाद कार्यक्रम की संकल्पना एवं संयोजन हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने की। वक्तव्य देते हुए डॉ अंजनी श्रीवास्तव ने कहा कि प्रेमचंद अपने समय के बड़े साहित्यकार थे। राष्ट्रीय संदर्भ में उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। राष्ट्रभाषा के संबंध में उनका चिंतन बहुत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण देते हुए हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. राजेन्द्र सिंह ने वैश्विक पटल पर कथाकार प्रेमचंद की स्वीकार्यता एवं महत्ता रेखांकित की। प्रो. राजेन्द्र सिंह ने कहा कि सृजन यात्रा में भाषा की सहजता रचनाकार की सबसे बड़ी ताकत होती है। प्रेमचंद की भाषा इसका प्रमाण है। वह विश्व में सर्वाधिक पढ़े जाने वाले हिन्दी रचनाकार हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन ने वर्तमान की चुनौतियों के सापेक्ष प्रेमचंद की भाषा की लोकप्रियता के मूल तत्वों की ओर संकेत किया। उन्होंने बताया की प्रेमचंद का भाषा चिंतन भारतीय परंपरा के विस्तार की एक कड़ी है, जो अपनी प्रकृति में समन्वयवादी है। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी विकास कुमार ने किया। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद कार्यक्रम के दौरान हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा एवं डॉ. आशा मीणा तथा शोधार्थी रश्मि सिंह, सोनू ठाकुर, अशर्फी लाल, मनीष ठाकुर, सुनंदा, अस्मिता पटेल, मनीष कुमार, बीना चिक बड़ाइक, पलक कुमारी, मनु कुमार, सलोनी, निशा, अंजू, ज्योति, रजनीश, रूपेश मुस्कान, दिव्या सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

विद्यालय की गलती से करीब पचास छात्रो का भविष्य अधर में

बीएनएम। पूर्वी चंपारण

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा जारी प्रथम चयन सूची के आधार पर 11 वी में नामांकन लेने के बाद पोर्टल पर विद्यालय द्वारा अपडेट नही कराने के कारण पचास छात्रों के भविष्य पर खतरा मंडराता दिख रहा हैं । मामला जिले के संग्रामपुर प्रखंड के माध्यमिक विद्यालय श्यामपुर का है ।छात्रों ने अपर मुख्य सचिव शिक्षा विभाग को मेल से पत्र भेज नमांकन अपडेट कराने की मांग की है। उक्त विद्यालय के छात्र पलक प्रिया कुमारी,सोनाली कुमारी, गरिमा कुमारी, चांदनी कुमारी, राहुल कुमार, रूपेश कुमार,,रोहित कुमार, रवि रंजन कुमार,दीपक कुमार ,गोलू कुमार आदि ने बताया कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के द्वारा 11 वी में नामांकन के लिए प्रथम चयन सूची के अनुसार नामांकन लिया विद्यालय द्वारा नामांकन के बाद रसीद भी दिया गया हैं । लेकिन उस समय जानकारी मोबाइल पर परीक्षा समिति के मैसेज मिला कि आप ने नामांकन नही लिया है । जब सभी छात्र व छात्रा विद्यालय पहुंचे तो प्रभारी प्रचार्य अनिता कुमारी ने बताया कि 52 छात्रों का नामांकन किया गया था जिसका पोर्टल पर अपडेट के लिए विद्यालय के शिक्षक कृष्ण बिहारी प्रसाद को दिया गया था लेकिन उनके द्वारा मात्र दो छात्रों का ही अपडेट कराया गया जिससे पचास छात्रो का नाम पोर्टल पर नही दिख रहा । विद्यालय के इस कारगुजारी से अपने भविष्य के लिए चिंतित छात्र व छात्राओ ने इसकी जानकारी शिक्षा विभाग के पदाधिकारियो को पत्र के माध्यम से दी है।

पर्यावरण को सुरक्षित रखना है, तो बाघों का संरक्षण भी हैं जरूरी

बीएनएम। बगहा

विश्व बाघ दिवस के मौके पर वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र में स्थित वन विभाग के आडियों-वीडियों के सभागार में सोमवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में चार विद्यालयों नदी घाटी योजना उच्च विद्यालय वाल्मीकिनगर,सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विद्यालय, यूएमएस विद्यालय गोनौली और बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर महाविद्यालय झरहरवा के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वीटीआर द्वारा पूर्व में आयोजित चित्रकला और निबंधन आदि प्रतियोगिता कराया गया था,जिसमे प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र,मेडल और शील्ड दे कर सम्मानित किया गया। वक्ताओ ने मौजूद विद्यालय के छात्र-छात्राओं और वनकर्मियों को बारी-बारी से संबोधित करते हुए बाघ के संरक्षण से हम कैसे पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं, के बारे में विस्तृत रूप

से जानकारी दी। जानकारी देते हुए डीएफओ पीयूष वर्णवाल ने बताया कि हर वर्ष 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय व्याघ्र दिवस मनाया जाता है।बाघ दिवस की शुरुआत 29 जुलाई 2010 को रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुई थी।साथ ही चलचित्र के माध्यम से बताया कि बाघ को बचा कर हम जंगल और पर्यावरण की सुरक्षा कर सकते हैं।पर्यावरण सुरक्षा के लिए वन प्रशासन सहित वनवर्ती क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को भी आगे आना होगा और बताया कि जिस तरह से हम स्वतंत्र दिवस,गणतंत्र दिवस मनाते है। वैसे ही हमे विश्व बाघ दिवस को मनाना होगा।जब हम सभी के अंदर ये भावना उत्पन्न होगी।तभी हम बाघों का संरक्षण कर पाएंगे।बाघ है तो हम हैं।

किया गया पौधा रोपण- कार्यक्रम के क्रम में पर्यावरण प्रेमी मनोज कुमार सोनी के द्वारा डीएफओ पियूष वर्णवाल को स्वर्ण चम्पा का पौधा भेंट किया गया।भेंट में पौधा पा कर डीएफओ काफी प्रफुल्लित हुए और उन्हें धन्यवाद ज्ञापन किया।उसके उपरांत बच्चों के साथ मिल कर पर्यावरण सुरक्षा को ले सभागार परिसर में पौधा रोपण किया गया।साथ ही साफ-सफाई भी की गई।कार्यक्रम के अंत में मौके पर मौजूद बच्चों को इको पार्क का भ्रमण कराया गया।और पर्यावरण से संबंधित कई जानकारियां दी गई।

प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका

देश के प्रत्येक नागरिक को मुफ्त इंटरनेट का अधिकार देने वाले निजी विधेयक पर विचार की मंजूरी सरकार ने दी है। पिछड़े व दूरदराज के क्षेत्रों के वासियों तक इंटरनेट सुविधाओं के लिए किसी प्रकार के शुल्क या खर्च का भुगतान नहीं करना होगा। राज्य सभा में यह विधेयक पहले ही पेश किया जा चुका है। दूरसंचार मंत्री के अनुसार राष्ट्रपति ने विधेयक पर विचार करने की सिफारिश की है। देश के पिछड़े व दूर-दराज के रहवासियों को समान रूप से इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के यह विशेष उपाय सरकार करेगी। डिजिटल विभाजन को पाटना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सभी नागरिकों का मौलिक अधिकार है। इसलिए उन्हें इंटरनेट का प्रयोग करने की सुविधा होना सकारात्मक सोच है। फोर्ब्स के अनुसार भारत में 2024 के शुरुआती दिनों में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले पूरी आबादी का 52 फीसद से अधिक हो चुके हैं। 36 फीसद ग्रामीण डिजिटल पेमेंट का प्रयोग कर रहे हैं। जो तेजी से बढ़ता ही जा रहा है। बिजली कटौती में आ रही कमी और नौजवानों की बढ़ती आबादी भी इसकी बुनियाद में है। तकनीक ने रोजमर्रा के जीवन में अपनी अहमियत तेजी से बढ़ाई है। शिक्षितों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है, जिसके चलते लोग स्मार्ट फोन, कंप्यूटर व अन्य डिवाइसों का इस्तेमाल करना सीख रहे हैं। मुफ्त इंटरनेट देने का सरकार फैसला सकारात्मक कहा जा सकता है। मगर यह ख्याल भी रखना जरूरी है कि जनता नेट में खोज क्या रही है? आम भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल पढाई, जानकारी या सूचनाओं को एकत्र करने की अपेक्षा मनोरंजन, सेक्सुअल कंटेंट व अनावश्यक चीजों के लिए अधिक करता है। गूगल द्वारा प्रयोगकर्ताओं की सालाना की गई खोजों की सूची में भारतीय वर्षो से पोर्न क्लिप की खोज में अव्वल आते हैं। मुफ्त इंटरनेट का प्रयोग यदि इसी तरह किया जाता रहा तो समाज में व्यभिचार बढ़ने की आशंका हो सकती है। इसमें खास तरह का फिल्टर लगाना भी उचित नहीं कहा जा सकता। निःसंदेह ये सेवाएं सरकार किसी निजी संचार सेवा से लेगी, जिसका भुगतान करने में मोटी राशि खर्च की जाएगी। अच्छा विचार होने के बावजूद इंटरनेट मुफ्त देने से डिजिटल एडिक्शन की लत घातक हो सकती है। हां, इसे कुछ अवधि के लिए मुफ्त किया जाना चाहिए था।

दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षो में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है। रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था। संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा। विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा।

महाराष्ट्र में देवेन्द्र फडणवीस से क्यों डरा रहता है विपक्ष?

आर.के. सिन्हा

लोकसभा चुनावों के नतीजे आने और केन्द्र में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा के आगामी अक्तूबर के महीने होने वाले चुनाव हैं। भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था की जान है महाराष्ट्र। इसलिए सारे देश की निगाहें महाराष्ट्र पर लगी रहती हैं। वहां राज्य विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति भी गरमा चुकी है। आरोप-प्रत्यारोप के नियमित दौर चल रहे हैं। महाराष्ट्र का विपक्ष महाविकास आघाडी राज्य के उस नेता पर आरोप लगा रहे हैं, जिसने राज्य का मुख्यमंत्री रहते हुए प्रदेश का चौतरफा विकास करवाया। हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के शिखर भाजपा नेता और वर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की।देवेंद्र फडणवीस राज्य के एक बड़े नेता होने के साथ ही काफी दूरदर्शी और अनुभवी रणनीतिकार के रूप में भी जाने जाते हैं। वह कई बार मुश्किलों में फँसी पार्टी को बाहर निकालकर अपनी योग्यता साबित कर चुके हैं। जब वह राज्य के मुख्यमंत्री थे, तब उनके कार्यकाल में राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में कई काम हुए । मुंबई मेट्रो विस्तार और मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग जैसी प्रमुख परियोजनाओं की शुरुआत की गई। तब महाराष्ट्र की प्रतिष्ठा एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में और बढ़ी। देवेंद्र फडणवीस ने ही कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिसिंग को मजबूत किया और अपराध की रोकथाम के लिए टेक्नोलॉजी आपरेटेड सिस्टम की शुरुआत की। समाज कल्याण को लेकर भी उन्होंने काफी पहल की। हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रम लागू किए गये। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने बीत दिनों देवेन्द्र देवेंद्र फडणवीस पर आरोप लगाया कि वे जब राज्य के गृहमंत्री थे तब उन्होंने (देवेंद्र फडणवीस ने)उन पर दबाव बनाया था कि वे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और महाविकास आघाडी के तीन अन्य नेताओं के खिलाफ केस दर्ज करवा दें। हालांकि देवेंद्र फडणवीस ने देशमुख के इस आरोप को सिरे से खारिज किया है। कुल मिलाकर लग यह रहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जनता के बुनियादी मसलों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप लगते रहेंगे। विपक्ष सत्ता हासिल करने के लिए तबीयत से कीचड़ उछालेगा। जाहिर है फडणवीस ने भी देशमुख को उनकी ही भाषा में जवाब भी दिया। सबको याद है कि अप्रैल 2021 में गृह मंत्री रहे देशमुख पर तत्कालीन मुंबई पुलिस कमिनर परमबीर सिंह ने यह आरोप लगाया था कि उन्होंने महाराष्ट्र की पुलिस को शहर के होटल और बार मालिकों से पैसे वसूलने पर लगा दिया था। अब देशमुख कह रहे हैं कि फडणवीस के निर्देश पर परमबीर सिंह ने उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए। अब तीन साल बाद वही एनसीपी नेता देशमुख यह दावा कर रहे हैं कि फडणवीस ने उन पर उद्धव और आदित्य ठाकरे, तत्कालीन डिप्टी सीएम अजीत पवार और मंत्री अनिल परब सहित एमवीए के प्रमुख लोगों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए दबाव डाला था। साफ है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में टकराव बढ़ने वाले हैं और महाविकास आघाडी के निशाने पर देवेंद्र फडणवीस ज्यादा रहने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस पर विपक्ष गठबंधन महाविकास आघाडी के नेता रणनीति के तहत हल्ला बोल रहे हैं। उन्हें लगता है कि देवेंद्र फडणवीस को घेरकर वे विधानसभा चुनाव में बढ़त बना सकते हैं। बेशक, यह अफसोसजनक स्थिति है कि जिस फडणवीस के मुख्यमंत्रित्व काल में राज्य का अभूतपूर्व विकास हुआ, उन पर मिथ्या आरोप लग रहे हैं। उनके ही नेतृत्व में मुंबई मेट्रो का विस्तारीकरण हुआ। मुंबई-नागपुर समृद्धि महामार्ग, आर्थिक गलियारों और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए एक्सप्रेसवे परियोजना की शुरुआत हुई। बढ़ती शहरी आबादी को समायोजित करने के लिए किफायती आवास योजनाओं को उन्होंने ही लागू किया। सड़क और रेल परियोजनाओं सहित सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क में सुधार किया। आतंकवाद-रोधी उपायों के तहत संभावित खतरों को रोकने और उनका जवाब देने के लिए सुरक्षा ढांचे को बढ़ावा दिया। देवेंद्र फडणवीस ने सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर दिया।

मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के तहत मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने के लिए इस समुद्री पुल की शुरुआत की। गोपीनाथ मुंडे के निधन के बाद देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रमुख नेता के रूप में सामने आए। उन्होंने राज्य भाजपा को एकजुट किया। यह फडणवीस ही थे जिन्होंने भाजपा की ताकत बढ़ाने के लिए शिवसेना के बिना चुनाव लड़ने का हिम्मती फैसला किया। उन्होंने राज्य के लिए भाजपा की स्वतंत्र ताकत और दृष्टि पर जोर दिया और उनके नेतृत्व में ही भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। राज्य में शिव सेना के बिना भाजपा की सरकार बनाने के लिए फडणवीस ने ही मंच तैयार किया। अब भी वह सत्तासीन गठबंधन में स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका रणनीतिक कौशल जबर्दस्त रहा है। वह शासन में निरंतरता और प्रगति सुनिश्चित करते हुए लचीलेपन के साथ हर मुद्दे का राजनीतिक समाधान तलाशने में महारत रखते हैं। वही विभिन्न वर्गों के साथ प्रभावी ढंग से बातचीत करने में आगे रहे हैं। उनकी नेतृत्व शैली और उपलब्धियों ने उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति में एक केंद्रीय व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है। वह पैराशूट वाले नेता नहीं हैं। महाराष्ट्र में वह भाजपा में रैंक के माध्यम से आगे बढ़ने वाले नेता हैं। फडणवीस 1989 में युवा विंग के अध्यक्ष रहे हैं और केवल 27 साल की उम्र में नागपुर के मेयर नियुक्त हुए और 44 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। वह एक ऐसे नेता हैं जो भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और आरएसएस दोनों में स्वीकार्यता रखते हैं। वह संघ के मूल मूल्यों को समझते हैं और पार्टी के भीतर उसको अपनाने की कोशिश भी करते हैं। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल जैसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान स्थिति को स्थिर करने और पार्टी के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। हाल के लोक सभा चुनावों में पार्टी की हार को अपनी जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हुए इस्तीफा देने की उनकी पेशकश, नैतिक बल को ही दर्शाती है। फडणवीस पर 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को जीत दिलाने की बड़ी जिम्मेदारी है। राज्य के राजनीतिक हलकों में कई लोगों को लगता है कि पिछले दस वर्षों से महाराष्ट्र में भाजपा के निर्विवाद नेता के रूप में फडणवीस ही राज्य में भाजपा की पुनः वापसी कर सकते हैं। वे विपक्ष को पटकनी देने में सक्षम हैं। विपक्ष भी हमेशा फडणवीस से ही डरा हुआ दिखाई देता है। किसी न किसी तरह से उन पर निशाना साधने में महाविकास अघाडी के नेता कोई कसर नहीं छोड़ते। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देवेन्द्र फडणवीस पर भरोसा रखते हैं। 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को अच्छी सफलता मिली, सबको लगा कि फडणवीस एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे। लेकिन उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा के साथ आगे आ गए। उन्हें अपने पुराने सहयोगी - भारतीय जनता पार्टी को दगा देने में कोई संकोच नहीं किया। शरद पवार ने कांग्रेस नेतृत्व को राजी किया और उन्हें उद्धव ठाकरे का समर्थन करने के लिए मजबूर किया और अपनी सरकार बना ली, लेकिन फडणवीस ने जून 2022 में पवार साहब की साजिश को माकूल जवाब दे दिया। केवल ढाई साल की अवधि के लिए उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बने। अब वही ठाकरे शरद पवार के हाथों खिलौना बने हुए हैं।

नशे के विरुद्ध जन-अभियान

भारत डोगरा

हाल के समय में सामाजिक समस्याओं में वृद्धि का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि विभिन्न तरह के नशों में वृद्धि हो रही है। शराब और गुटखे में वृद्धि बहुत तेजी से हुई है। अनेक तरह के ड्रग्स का चलन भी तेजी से बढ़ा है।

विभिन्न तरह के नशे क्यों बढ़े हैं, इस पर अनेक तरह के विचार मिलते हैं पर एक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि शराब के विरुद्ध जो एक बड़ा माहौल हमारे समाज में था, इसमें बहुत गिरावट आई है। चाहे शराब का उपयोग कितने भी समय से हो रहा हो, पर कुछ दशक पहले तक इसे बहुत बुरा माना जाता था और नैतिक स्तर पर यह मान्यता बहुत मजबूत थी। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी इस नैतिक सोच को प्राप्त किया जाता था। पर धीरे-धीरे शराब के विरुद्ध इस सामाजिक मान्यता में कमी आने लगी और फिर बाद में तो यह प्रवृत्ति बहुत तेज हो गई। यह केवल समाज और अर्थव्यवस्था में आ रहे बदलावों के कारण नहीं हुआ अपितु योजनाबद्ध ढंग से भी इस माहौल को बदला गया। एक मिथक जो दुनिया भर में फैलाई गई कि कम मात्रा में शराब पीने से नुकसान नहीं है, जबकि वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि कम मात्रा में शराब पीने से भी कुछ हानि अवश्य होती है। फिर एक मिथक यह फैलाई गई कि वाईन या रेड वाईन से क्षति नहीं होती है। इस मिथक के फैलने से कितने ही लोगों ने नियमित रेड वाईन पीना आरंभ कर दिया जबकि बाद में स्पष्ट हो गया कि इस कारण उन्होंने अनेक गंभीर समस्याओं को आमंत्रित किया है। इसी तरह कभी सिगरेट तो कभी बीड़ी, सभी तंबाकू के विभिन्न रूपों तथा सभी गुटखे के दुष्परिणामों को कम करके बताया गया। एक अन्य मिथक फैलाया गया कि शराब की लत लग जाने पर इसे छोड़ना लगभग असंभव है जबकि आंकड़े बताते हैं कि प्रति वर्ष लाखों लोग मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर भी शराब छोड़ते हैं। यदि समाज में एक निरंतरता से अभियान नशे के विरुद्ध चलाया जाए तो यह संभावना और बढ़ जाएगी। तरह-तरह के नशे करोड़ों लोगों का जीवन क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। सभी तरह के नशे के विरुद्ध समग्र अभियान की जरूरत है। वैसे तो सभी तरह के नशे बुरे हैं, पर सब से अधिक बरबादी शराब से हो रही है। इस बारे में विश्व स्तर के आंकड़े डराने वाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की शराब और स्वास्थ्य स्टेटस रिपोर्ट (2018) के अनुसार विश्व में 2016 में शराब से 30 लाख मौतें हुई। 2016 में शराब के कारण हुई मौतों में से 28.7 प्रतिशत चोटों के कारण हुई, 21.3 प्रतिशत पाचन रोगों के कारण हुई, 19 प्रतिशत हृदय रोगों के कारण हुई, 12.9 प्रतिशत संक्रामक रोगों से हुई और 12.6 प्रतिशत कैंसर से हुई। 20 से 29 आयु वर्ग में होने वाली मौतों में से 13.5 प्रतिशत शराब के कारण होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में शराब के कारण 2016 में 37०० मौतें हुई। इनमें से 187000 ऐसे व्यक्ति थे जो स्वयं गाड़ी नहीं चला रहे थे। शराब के कारण इस वर्ष 15०० आत्महत्याएं हुई और 9०० मौतें आपसी हिंसा में हुई। कम समय में अधिक पी लेने से कोमा में आने और मृत्यु तक का परिणाम हो सकता है। इस रिपोर्ट ने यह भी बताया है कि 200 तरह की बीमारियों और चोटों में शराब का हानिकारक उपयोग एक बड़ा कारण है। लिवर सिरहोसिस और अनेक तरह के कैंसर में शराब महत्त्वपूर्ण कारण है। पहले अधिक शराब पीने को ही मस्तिष्क की क्षति, याद रखने की क्षमता पर प्रतिकूल असर और डिमेनशिया से जोड़ा जाता था पर अब ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के नये अनुसंधान (ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित) से पता चलता है कि अपेक्षाकृत कम शराब पीने से भी मस्तिष्क की ऐसी क्षति होती है। यह तो सब जानते हैं कि शराब स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है, पर शराब उद्योग यह मिथक फैलाने के लिए प्रयासरत रहा है कि थोड़ी सी शराब पीने से नुकसान नहीं होता। यह केवल मिथक ही है। सच्चाई हाल के अध्ययन में सामने आई है जो प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लांसेट में प्रकाशित हुआ। लगभग 500 विशेषज्ञों के समूह के मुख्य लेखक मैक्स ग्रिसवोल्ड ने इस अध्ययन के निष्कर्ष के बारे में बताया है, एल्कोहल की कोई ऐसी सुरक्षित मात्रा नहीं है (न्यूनतम मात्रा से भी नुकसान होता है)। आगे जैसे-जैसे एल्कोहल का प्रति दिन का उपयोग बढ़ता जाता है, वैसे-वैसे स्वास्थ्य के खतरे भी बढ़ते जाते हैं। नशीली दवाओं, एल्कोहल और एडिक्टिव बिहेवियर के विकोष के अनुसार मौत होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में से 44 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका पाई गई है। दुर्घटना में मरने वाले 50 प्रतिशत तक मोटरसाइकिल चालकों के शराब के नशे में होने की संभावना पाई गई है। इस विकोष के अनुसार घर में होने वाली दुर्घटनाओं में 23 से 30 प्रतिशत में एल्कोहल की भूमिका होती है। आग लगने और जलने से मौत होने की 46 प्रतिशत दुर्घटनाओं में एल्कोहल की भूमिका होती है। यदि शराब न पिए हुए व्यक्ति से तुलना करें तो शराब पीने के बाद किसी व्यक्ति में आत्महत्या का खतरा सात गुणा बढ़ जाता है और अधिक मात्रा में शराब पीने के बाद यह खतरा 37 गुणा बढ़ जाता है (बोज़्रे का अध्ययन, 2017)। एल्कोहल उपयोग डिसऑर्डर के कारण अवसाद की संभावना कम से कम दोगुना बढ़ जाती है। कुछ वर्ष पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट तैयार करवाई थी जिसे हिंसा और स्वास्थ्य पर विश्व रिपोर्ट का शीर्षक दिया गया था। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि डिप्रेशन या अवसाद के लिए भी एल्कोहल एक महत्त्वपूर्ण कारक है। रिपोर्ट के अनुसार एल्कोहल और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की आत्महत्या में भी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका है। अमेरिका में चार में से कम से कम एक आत्महत्या में एल्कोहल की भूमिका रिपोर्ट की गई है। विभिन्न देशों में होने वाले अध्ययनों में यह महत्त्वपूर्ण तथ्य सामने आया है कि 50 प्रतिशत से अधिक यौन हिंसा और हमलों में शराब और नशीली दवाओं की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। विशेषकर युवाओं की हिंसा के संदर्भ में रिपोर्ट ने कहा है कि हिंसा होने में या उसकी संभावना बढ़ाने में शराब की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। युवा हिंसा पर स्वीडन के एक अध्ययन ने बताया कि हिंसा करने वाले लगभग 75 प्रतिशत व्यक्ति और हिंसा की मार सहने वाले लगभग 50 प्रतिशत व्यक्ति हिंसा की घटनाओं के समय नशे में पाए गए। रिपोर्ट ने कहा है कि किसी समुदाय में अपराध और हिंसा कम करने की रणनीति में शराब की उपलब्धि कम करने की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। अनेक क्षेत्रों का अनुभव रहा है कि शराब के नशे के विरुद्ध जन-अभियान चलाने से इसके उपभोग में उल्लेखनीय कमी लाना निश्चित तौर पर संभव है।

मेष राशि : आज आप अपने दिन की शुरुआत किसी गरीब की मदद करके करेंगे। आज आपके घर में कोई धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी। स्किन प्रॉब्लम से परेशान लोग आज अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे। बिजनेस पार्टनर के साथ किसी विदेश की यात्रा का योग बन रहा है। किसी बहुत इम्पोर्टेन्ट पर्सन से मुलाकात होगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन रिलैक्स से भरा होगा। आप दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। अधिकारियों और निचले वर्ग के लोगों से भी समय-समय पर मदद मिलेगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जाएंगे, पारिवारिक प्रेम बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगे तो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कोई पारिवारिक निर्णय लेने से पहले घर के बड़े बुजुर्ग की राय जरूर लें। मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर रहे लोगो को नये अवसर मिलेंगे। धार्मिक कार्य में आपकी रूचि बढ़ेगी।धार्मिक गतिविधियों में बढ़-चढ कर हिस्सा लेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन लकी रहेगा। कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में कोई नया काम भी सामने आ सकता है। उस नए काम को बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे। आज आपको धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। किसी खास मित्र से आज आपकी मुलाकात होगी, जिनसे मिलकर आप खुश होंगे। आर्किटेक्ट और इंजीनियरिंग वालों के लिए आज सफलता भरा दिन है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों का आज फायदा होगा। आज विद्यार्थी प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे। परिवार में सुख संतोष बढ़ेगा। स्वास्थ्य आज पहले से बेहतर रहेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा हो सकता है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे। आज आपको किसी काम करने के लिये ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज माता-पिता के आशीर्वाद से किये गये कार्यों में आपको सफलता मिलेगी परिवार को जोड़कर चलने से आपकी भूमिका बड़ी हो जाएगी, परिवार में आपका सम्मान बढ़ेगा आपको गर्व होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जो लोग होटल या रेस्टोरेंट जैसे बिजनेस से जुड़े हैं, उनके लिये दिन पहले से बेहतर रहेगा, आज आपका दिन ज्यादा लाभ कमानें का है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे। आपके जीवनसाथी कोई जरूरत का सामान आपको गिफ्ट करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए समान्य रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से कुछ कम ही लाभ प्राप्त होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको ख़ुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जायेगा। आज आपका जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। बच्चे आज आपसे मन की बात बता सकते हैं।

धनु राशिः आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह ख़ुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी ख़ुशी होगी। आज की शाम परिवार वालों के साथ बितायेंगे, जिससे पारिवारिक जीवन खुशहाल बनेगा। आपको माता-पिता के साथ किसी समारोह में जा सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। क्राकरी का बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस है। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, आपकी टेंशन कम होगी।

मीन राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। बिजनेसमैन आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनाएंगे।

शब्द सामर्थ्य -133

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे
1. ह्दर, डर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

1		2	■	3		4	■	5
	■		■		■	6		
■	7				■		■	
8		■	■		■	9	10	
	■	■	■	11	12	■		■
13			14	■	15			■
	■	■	16	17		■	18	19
■	20	■	■		■	21	■	
22					■	23		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 132 का हल

चु	स्त	■	मु	■	सं	स्था	न	■
ग	■	म	र्दा	न	गी	■	त	म
ली	प	ना	■	■	त	न	■	■
■	ना	ना	■	■	■	■	ज	■
मा	ह	■	रा	■	सा	ज	न	■
न	■	स	ह	दे	व	■	म	द
व	■	म	■	व	न	ज	■	ल
ता	क	त	व	र	■	मी	■	द
■	ल	ल	क	■	क	र	त	ल

सूडोकु नवताल- 7142

★★★★☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7141 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफ़ड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

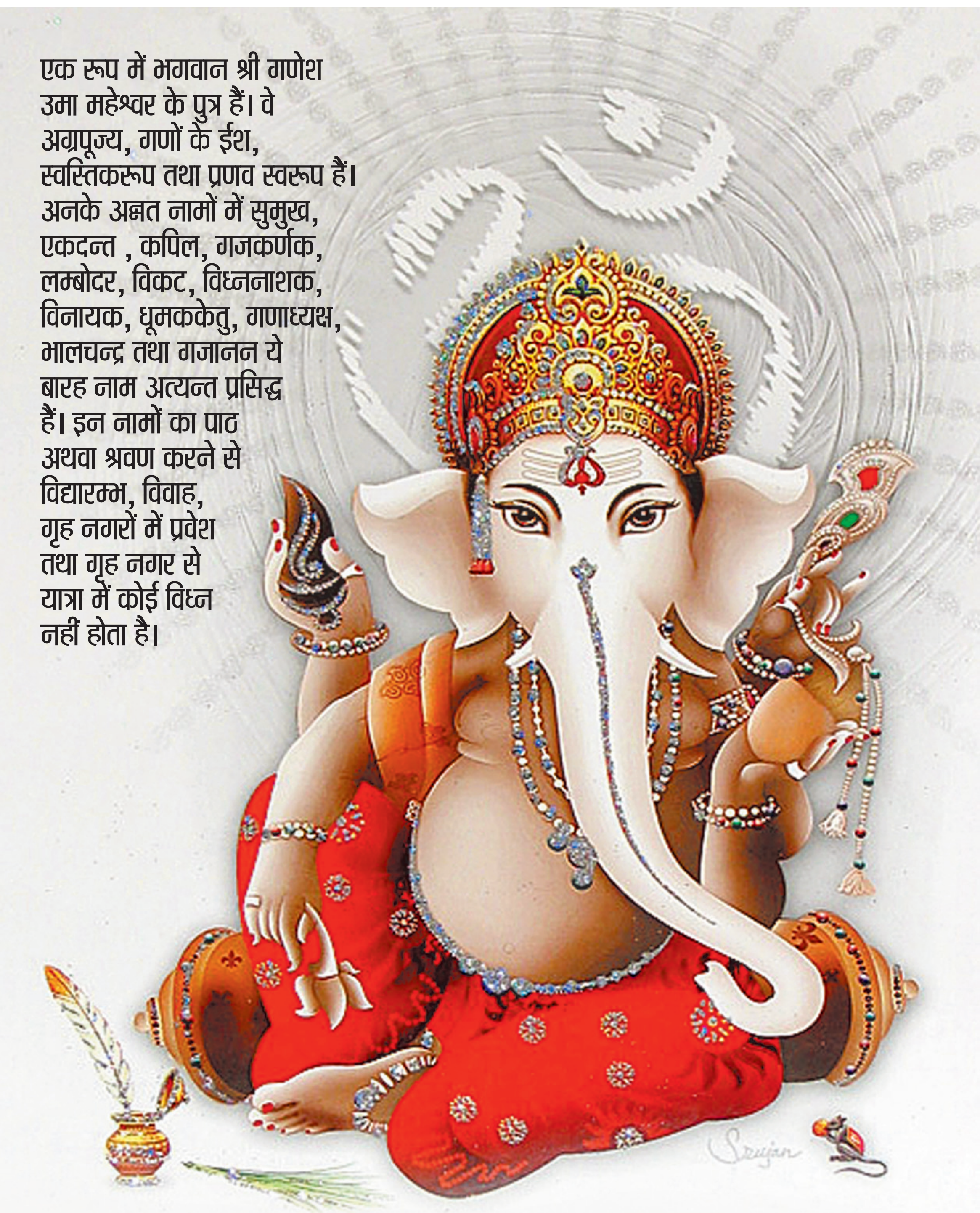

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूढ़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

फ्रांसीसी लोगों के गुस्से का शिकार हो रहे अर्जेंटीना के खिलाड़ी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में लोग अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर निशाना साधने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे हैं। इससे दोनो देशों के बीच तनाव की स्थिति भी बन सकती है। इसके बाद आयोजकों ने स्थानीय लोगों से कहा है कि इस प्रकार का व्यवहार न करें। इसका कारण फुटबॉल, नस्लवाद और सामाजिक परिवर्तन को कारण बताया गया है। हालात इतने खराब हैं कि अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को अपनी फुटबॉल टीम के लिए प्रशंसक तक नहीं मिल रहे। राष्ट्रगान के दौरान भी अर्जेंटीना की रग्बी 7एस टीम (प्यूमास) की जमकर आलोचना हुई थी। इससे प्यूमास के कप्तान गैस्टन रिवोल भी निराश दिखे। रिवोल ने कहा, मैं इस प्रकार के व्यवहार के लिए तैयार नहीं था। भीड़ प्यूमास पर

अपना गुस्सा जाहिर कर रही थी पर वास्तव में ये अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के खिलाफ ही था। इसका कारण है है लियोनल मेसी, एंजेल डी मारिया और एंजो फर्नांडीज की अर्जेंटीनाई फुटबॉल टीम ने विश्वकप में फ्रांस को हराया था। हाल ही में अर्जेंटीना कोपा अमेरिका में भी विजेता रही। कोपा अमेरिका की जीत के बाद आरोप है कि एंजो फर्नांडीज ने बस में एक नस्लवादी गाना गाया, जिसमें मुख्य रूप से अफ्रीकी मूल के खिलाड़ियों को रखने के लिए फ्रांसीसी फुटबॉल टीम का मजाक उड़ाया गया था। विविधता से भरे शहर में फुटबॉल खेलने वाले एक खिलाड़ी का यह व्यवहार सभी को हैरानल करने वाला था हालांकि बाद में इसके लिए फर्नांडीज ने माफी मांगी थी पर फ्रांस के लाखों अश्वेत इससे नाराज थे ओर जैस ही अर्जेंटीना के खिलाफ पेरिस पहुंचे उनका विरोध शुरु हो गया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने भी इस मामले में स्थिति साफ करने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। वहीं कई लोग इस आक्रोश को उत्तर और दक्षिण की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता, अधिकार और नजरिए के अंतर के रूप में देख रहे हैं। कुछ पुराने विडियो सामने आए जिसमें 2018 फुटबॉल विश्व कप जीतने के बाद फ्रांस की टीम मेसी का मजाक उड़ाते हुए दिखाई दे रही थी।

महिला रिले दौड़ में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी प्राच

पेरिस। पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स स्पर्धा में इस बार प्राची चौधरी भी उतरेंगी। बेहद कमजोर आर्थिक हालातों से उबरकर ओलंपिक तक पहुंची प्राची का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। प्राची 4 गुणा 400 मीटर महिला रिले दौड़ में उतरेंगी। प्राची ने पिछले साल 2023 में खेले गए एशियाई खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए प्राची को रिले दौड़ में एमआर पूवम्मा, विथ्या रामराजज्योतिका श्री दांडी, सुभा वेंकटेश और किरन पहल के साथ टीम में शामिल किया गया है। इस स्पर्धा के लिए भारतीय महिला टीम का चयन वर्ल्ड एथलेटिक्स की ओर से मई में बहमास में आयोजित प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। चार गुणा चार सौ मीटर रिले दौड़ नौ अगस्त को शुरु होगी। इसमें सेमीफाइनल

यानी हीट्स में बेहतर प्रदर्शन के साथ टॉप-आठ में स्थान बनाने पर 10 अगस्त को फाइनल में खिलाड़ी उतरेंगी। साल वर्ष 2021 में प्रतिबंधित दवा का सेवन करने के लिए इस एथलीट को डोप जांच में फेल कर दिया गया था, लेकिन बाद की जांच में सामने आया कि वह दवा गलती से ली गई थी। इसलिए उन पर लगा प्रतिबंध कम कर दिया गया। इसके बाद एशियाई खेलों में सफलता के लिए प्राची ने कड़ी मेहनत की और सफल रहीं।

पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य को झटका, अमान्य घोषित हुई पहली जीत

पेरिस। भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन की पेरिस ओलंपिक के पहले ही दौर में मिली जीत को अमान्य घोषित कर दिया गया है। इसका कारण ये बताया गया है कि लक्ष्य ने जिस खिलाड़ी को हराया था। वह चोटिल होने के कारण ओलंपिक से बाहर हो गया है। ऐसे में अब लक्ष्य को ये मुकाबला एक बार फिर खेलना होगा। गत दिवस बैडमिंटन के एकल मुकाबले में लक्ष्य का मुकाबला ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन से हआ था। इस मुकाबले में लक्ष्य ने 42 मिनट के अंदर ही केविन को 21-8, 22-20 से हराया था। लक्ष्य ने पहले गेम को आसानी से 21-8 से जीत लिया था। इसके बाद केविन ने वापसी के प्रयास किये पर अंत में लगातार छह अंक जीतकर लक्ष्य ने मैच पर कब्जा कर लिया। वहीं अब इस मुकाबले को अमान्य करार दिया गया है। जो लक्ष्य के लिए एक बड़ा झटका है। कहा जा रहा है कि कोहनी की चोट के कारण केविन ओलंपिक से ही बाहर हो गये हैं। इस

परिणाम को भी रिकार्ड से हटा दिया गया है। इसका मतलब हुआ कि केविन कॉर्डन पर लक्ष्य की जीत को माना नहीं जाएगा। अब लक्ष्य को ग्रुप स्तर पर बेल्जियम के जूलियन कैरागी से खेलना होगा। इसकके बाद वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से खेलेंगे।

पेरिस ओलंपिक : रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं

• पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण 7वें पर रहीं और पदक नहीं जीत पायीं। इस इवेंट में शुरु के 5 शॉट तक रमिता शीर्ष पांच निशानेबाज में शामिल थी पर इसके बाद अगले 5 शॉट में वह पीछे हो गयीं। 14 शॉट्स के बाद वह 7वें स्थान पर खिसक गयीं। इस प्रकार वह पदक की दौड़ से बाहर हो गई। 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में रमिता ने अच्छी शुरुआत की और पहले 5 शॉट के बाद चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने पहले 5 शॉट में 10.3, 10.2, 10.6, 10.9, 10.5 का स्कोर किया पर अंतिम 5 शॉट में रमिता ने 10.4,

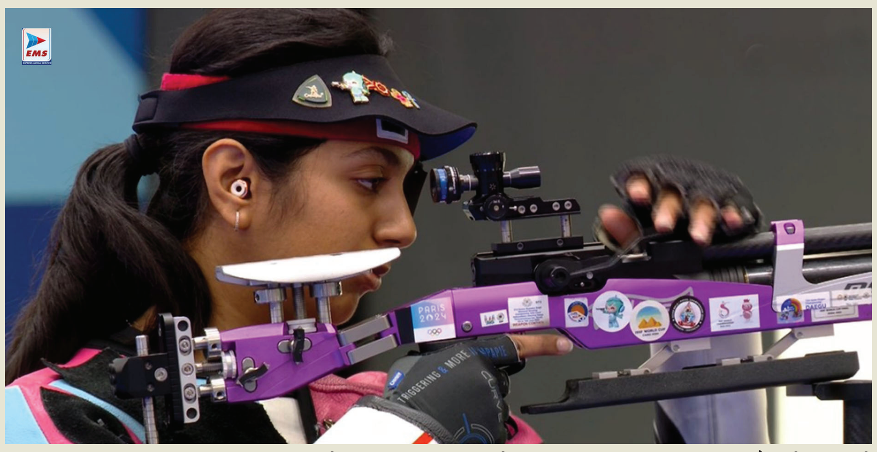

10.1, 10.7, 10.6, 9.7 अंक हासिल किए। पहले 10 शॉट के बाद वो खिसककर 7वें स्थान पर आ गयीं। पहले 5 शॉट के बाद रमिता ने 52.5 अंक हासिल किए। इसके बाद अगले 5 शॉट के बाद उनके पास 104 अंक थे। रमिता ने एलिमिनेटर राउंड में पहले दो शॉट्स 10.4 और 10.5 के लगाए। इससे वह 5 वें नंबर तक पहुंची। उन्होंने 10.2 और 10.2 अंक हासिल किया और सातवें स्थान पर खिसकर पदक दौड़ से बाहर हो गयीं। रमिता ने क्वालीफाइंग राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 631.5 अंक कर फाइनल में जगह बनाई थी पर वह फाइनल मुकाबले में सफल नहीं हो पायीं।

व्यापार

पिछले दो साल में हीरे की कीमत में लगातार आ रही गिरावट

प्राकृतिक हीरे में भी 25 से 30 फीसदी की गिरावट देखी गई

नई दिल्ली। पिछले दो साल के डेटा के आधार पर देखा जाए तो इन दो सालों में लैब में बने हीरे की कीमत में भारी गिरावट आई है। जुलाई 2022 में हीरे की कीमत 300 डॉलर (करीब 35 हजार रुपये) प्रति कैरेट थी जो इस महीने गिरकर 78 डॉलर (करीब 6529 रुपये) प्रति कैरेट पर आ गई है। वहीं प्राकृतिक हीरे की कीमत में भी 25 से 30 फीसदी की गिरावट देखी गई है। हीरा कारोबारियों का कहना है कि पिछले दो साल में हीरे में कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं सोने की कीमतों में वृद्धि, अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अन्य पश्चिमी देशों में मंदी और चीनी खरीद पैटर्न में अचानक आए बदलाव से भी मदद नहीं मिली है। हीरा कारोबारियों ने कहा है कि सूरत में काम करने वाले 38 हजार श्रमिकों से लेकर छोटे और मध्यम व्यवसायों और बड़े उद्यमों तक सभी को नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में अब हीरे की अधिक

आपूर्ति है। प्राकृतिक हीरों की कीमतों में गिरावट के बारे में कहा जा रहा है कि छोटे और सस्ते गुणवत्ता वाले दोषपूर्ण हीरे अपनी चमक खो चुके हैं। इन्हें लैब में बने दोषरहित पत्थरों (हीरों) से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उच्च स्तर पर वैश्विक बाजार से मांग धीमी है। हीरा कारोबारी कहते हैं कि एक समय चीन दोषरहित खनन किए गए पत्थरों का बड़ा खरीदार हुआ करता था। अब इसने भी इन हीरों से मुंह मोड़ लिया है और इसमें दिलचस्पी दिखानी बंद कर दी है। चीन अब पहले के मुकाबले मात्र 10 से 15 फीसदी ही हीरे खरीद रहा है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलरी एसोसिएशन के गवर्निंग बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सोने का स्टॉक रखने वाले व्यापारियों को अल्पावधि में नुकसान होगा। इन व्यापारियों ने ऊंची कीमत में इसे खरीदा था और अब सस्ते में बेचना होगा। जीजेईपीसी के एक अधिकारी ने कहा कि रत्न और आभूषण उद्योग में 50 लाख लोग काम करते हैं। इनमें से काफी सीमांत वर्गों से आते हैं। बीकेसी में भारत डायमंड बोर्स में 50,000 लोग और एसईईपीजेड में एक लाख लोग काम करते हैं। यह इतना श्रम-गहन क्षेत्र है कि सरकार जो कुछ भी करेगी, उसका असर लाखों श्रमिकों पर पड़ेगा।

जेनसोल को गुजरात में सौर संयंत्र परियोजना का मिला ठेका

नई दिल्ली। जेनसोल इंजीनियरिंग को गुजरात के खावड़ा आरई पावर पार्क में सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए 463 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी के अनुसार जेनसोल इंजीनियरिंग को गुजरात के कच्छ के रण में खावड़ा आरई पावर पार्क में 463 करोड़ रुपये के सौर संयंत्र की इंजीनियरिंग, डिजाइन, खरीद, स्थापना, परीक्षण तथा उसे चालू करने का ठेका मिला है। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की सोलर ईपीसी (इंडिया) की एक अधिकारी ने कहा कि यह ठेका जेनसोल की परियोजना प्रबंधन क्षमताओं और निष्पादन विशेषज्ञता के नेतृत्व में विश्वास दर्शाता है। हम वर्तमान में करीब एक गीगावाट की कुल क्षमता वाले कई प्रमुख ग्राहकों के लिए सौर परियोजनाओं का निष्पादन कर रहे हैं। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की स्थापना 2012 में की गई। यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी है, जो सौर ऊर्जा इंजीनियरिंग, खरीद तथा निर्माण (ईपीसी) सेवाओं के साथ-साथ इलेक्ट्रिक परिवहन समाधानों में विशेषज्ञता रखती है।

आईफोन के दाम में बड़ी कटौती

बजट में की गई घोषणा का दिखने लगा असर

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट में मोबाइल फोन और चार्जर पर कस्टम ड्यूटी को घटाने की घोषणा के बाद ऐपल ने अपने आईफोन के दाम में बड़ी कटौती कर दी है। बता दें कि ऐसा पहली बार है जब एप्पल ने नए आईफोन मॉडल के लॉन्च से कुछ महीने पहले कीमतों में कटौती की है, जो सितंबर 2024 में होने की उम्मीद है। ऐपल आईफोन 15 प्रो 1,34,900 रुपये और आईफोन 15 प्रो मेक्स को 1,59,900 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया था। लेकिन कटौती के बाद अब आईफोन 15 प्रो 1,29,800 रुपये में उपलब्ध है और आईफोन 15 प्रो मैक्स को 1,54,000 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है। आईफोन 15 प्रो की कीमत में 5,100 रुपये की कटौती की गई है जबकि आईफोन 15 प्रो मैक्स

की कीमत में 5,900 रुपये की कटौती की गई है।दूसरी तरफ बता दें कि, 'वनिला' आईफोन 15 और आईफोन 15 प्लस मॉडल की कीमतों में मामूली कटौती भी की गई है। आईफोन 15 और आईफोन 15 प्लस की कीमतों में महज 300 रुपये की कटौती हुई गई है और अब ये क्रमशः 79,600 रुपये और 89,600 रुपये पर उपलब्ध हैं। ऐपल आईफोन 13 और आईफोन 14 की कीमत में 300 रुपये की मामूली कटौती हुई है। किफायती आईफोन एसई की कीमत में 2,300 रुपये की कटौती हुई है। इसके अलावा आईफोन एसई अब 47,600 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है और पहले इसकी कीमत 49,900 रुपये थी। ऐपल आईफोन 13 59,600 रुपये और आईफोन 14 को 69,600 रुपये पर बिक रहे हैं। मालूम हो कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में कई बड़े ऐलान किए हैं। उसमें से ये भी है कि सरकार ने मोबाइल फोन और चार्जर पर कस्टम ड्यूटी को घटा दिया है। मोबाइल और चार्जर पर सरकार ने कस्टम ड्यूटी 20 प्रतिशत से कम करके 15 प्रतिशत कर दिया है। यानी कि अब मोबाइल फोन और चार्जर की खरीद पर 5 प्रतिशत कम देना होगा।

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ 2 अगस्त को खुलेगा

ओला इलेक्ट्रिक का इश्यू के जरिये करीब 74 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक देश में ई-स्कूटर बाजार में सबसे बड़ी कंपनी में से एक है। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए दो अगस्त को खुलेगा। ओला का इश्यू के जरिये करीब 74 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य है। ओला इलेक्ट्रिक का लगभग 74 करोड़ डॉलर का आईपीओ किसी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता की तरफ से लॉन्च किया जा रहा पहला पब्लिक इश्यू है। एक अखबार में कंपनी के विज्ञापन के अनुसार आईपीओ के प्राइस बैंड 72-76 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ में बोली लगाने वाले एलिजिबल कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर 7 रुपये की छूट दी जायेगी। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए 2 अगस्त को खुलेगा और यह बोली लगाने के लिए 6

अगस्त तक खुला रहेगा। कंपनी अपने आईपीओ नए शेयर और 8.49 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी की पिछली पेशकश के मुकाबले ओएफएस का आकार 9.52 करोड़ शेयरों से घटाया गया है। अग्रवाल इसमें अपने 3.79 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रहे हैं, यह कंपनी के डीआरएचपी में बताए गए 4.74 करोड़ के मुकाबले कम है। अग्रवाल के बाद, सॉफ्टबैंक विजन फंड्स-2 इस आईपीओ में सबसे ज्यादा 2.38 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रही है। कंपनी ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि वह आईपीओ से मिलने वाली राशि में 1600 करोड़ रुपये रिसर्च एवं डेवेलपमेंट) पर, 1227.6 करोड़ रुपये अपनी निर्माण इकाई के विस्तार पर खर्च करेगी। कंपनी पूरी तरह या आंशिक रूप से कर्ज चुकाने के लिए भी 800 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल करेगी। ईवी कंपनी का आईपीओ 9 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट किया जा सकता है। इसके साथ ही आईपीओ लाने वाली यह पहली भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी बन जाएगी।

धीमी पड़ी बैड न्यूज़ की कमाई की रफ्तार

8वें दिन किया अब तक का सबसे कम कारोबार

विक्की कौशल स्टारर रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'बैड न्यूज़ की शुरुआत दमदार रही थी और अब इस फिल्म ने सिनेमाघरों में अपना पहला हफ्ता पूरा कर लिया है. इसी के साथ इस मूवी ने शानदार कलेक्शन भी कर लिया है. फिल्म को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है. वहीं अब ये फिल्म दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी हैं. चलिए जानते हैं 'बैड न्यूज़ ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कितने करोड़ कमाए हैं? हालांकि वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट भी आ लेकिन इसकी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ मजबूत बनी हुई है. इसी के साथ ये फिल्म दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है. वहीं 'बैड न्यूज़ की कमाई की बात करें को फिल्म ने 8.3 करोड़ से खाता खोला था और इसने पहले हफ्ते में 42.85 करोड़ का केलक्शन किया. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बैड न्यूज़ ने रिलीज के 8वें दिन 2 करोड़ की कमाई की है. इसेक बाद 'बैड न्यूज़ का 8 दिनों का कुल कलेक्शन अब 44.85 करोड़ रुपये हो गया है. बता दें कि 'बैड न्यूज़ ने अपने पहले हफ्ते में अक्षय कुमार की 'सरफिरा सहित कई लेटेस्ट बॉलीवुड रिलीज से बेहतर कारोबार किया है. सरफिरा ने जहां अपने पहले हफ्ते के बाद बॉक्स ऑफिस पर केवल 18.75 करोड़ रुपये ही कमाए तो वहीं कार्तिक आर्यन की स्पोर्ट्स ड्रामा चंदू चैंपियन ने अपना पहले हफ्ते में 35.25 करोड़ रुपये कमाए थे. जबकि जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की मिस्टर एंड मिसेज माही ने पहले हफ्ते में 24.45 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं 'बैड न्यूज़ का पहले हफ्ते का कलेक्शन 40 करोड़ से ज्यादा रहा है.

तापसी पन्नू की फिर आई हसीन दिलरुबा का रोमांस और सस्पेंस से भरा ट्रेलर हुआ रिलीज

9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर

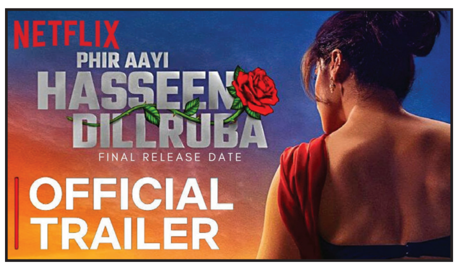

तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल स्टारर रोमांटिक थ्रिलर- सस्पेंसिव फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर आज 25 जुलाई को रिलीज हो गया है. फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर प्यार, धोखा और फिर मर्डर मिस्ट्री से लैस है. तापसी पन्नू एक बार फिर मर्डर के केस में फंसने के तैयार हैं. फिर आई हसीन दिलरुबा आगामी 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है. फिर आई हसीन दिलरुबा साल 2021 में आई फिल्म हसीना दिलरुबा का सीक्वल है. इसे जयप्रद देसाई ने डायरेक्ट किया है और इस बार फिल्म में विक्की कौशल के भाई सनी कौशल की एंट्री हुई है. फिर आई हसीन दिलरुबा के ट्रेलर की बात करें तो यह शुरू से ही अपने साथ जोड़ने की ताकत रखता है. तापसी एक बार फिर अपने रानी के रोल मे बोल्ड अंदाज से कहर ढा रही हैं.

इधर, रानी के पति के रोल में रिशू (विक्रांत मैसी) का रोल काफी सस्पेंसिव है. रिशू और रानी की शादी के सीन ट्रेलर में दिख रहे हैं. वहीं, रिशू अपनी पत्नी रानी से कहता है कि उनकी जिंदगी में तीसरे शख्स की एंट्री नहीं होना चाहिए और वहीं अगले ही सीन में रानी की जिंदगी में अभिमन्यू (सनी कौशल) एक सीधे-सादे इंसान के रोल में रानी की जिंदगी में एंटर होता है, जो रानी के प्यार में पागल है. वहीं, रानी, रिशू और अभिमन्यू की इस तिकड़ी में एक इंसान का मर्डर हो चुका है, और वो है फिल्म के पार्ट 1 में नील त्रिपाठी के रोल में दिखे हर्षवर्धन राणे. नील का मर्डर हुआ है, लेकिन उसकी डेड बॉडी नहीं मिली सिर्फ हाथ मिला है, जिसकी कलाई पर रानी का नाम लिखा है. अब पुलिस का सारा शक रानी (तापसी) पर है. पुलिस के रोल में नील के सगे चाचा जिमी शेरगिल है, जो रानी से पर्सनल लेवल पर पूछताछ करेंगे. अब फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा नील रहस्मयी मर्डर पर आकर टिकती है. आखिर किसने किया नील का मर्डर. क्या अपने प्यार के जाल में लोगों को फंसाने वाली रानी ने, या रानी के आस-पास भटकने वाले लोगों पर नजर रखने वाले उसके पति रिशू सक्सेना ने?. या फिर फिल्म में एक आम इंसान के रोल में दिख रहे अभिमन्यू (सनी कौशल) ने. इसका खुलासा आगामी 9 अगस्त को होगा. कनिका ढिल्लों ने फिल्म की कहानी को लिखा है. वह फिल्म की सह-निर्माता भी हैं.

धनुष की रायन ने पहले दिन की ताबड़तोड़ कमाई

बॉक्स ऑफिस पर मारी दहाड़

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार धनुष की मोस्ट अवेटेड फिल्म रायन आखिरकार 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। जब से इस फिल्म का पहला पोस्टर आउट हुआ था तब से ही इसे लेकर लोगों के बीच जबरदस्त बज देखने को मिल रहा है। 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म में धनुष ने बतौर डायरेक्टर के तौर पर भी काम किया है। सोशल मीडिया पर ही नहीं बल्कि फिल्म क्रिटिक से भी फिल्म को शानदार रिव्यू मिल रहे हैं। इसी बीच फिल्म रायन के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ चुका है। धनुष की एक्शन ड्रामा फिल्म रायन में जबरदस्त एक्शन के साथ रोमांस और सस्पेंस भी दिखाया गया है। बता दें कि यह उनके द्वारा निर्देशित की गई उनकी दूसरी फिल्म है। वहीं फिल्म का नाम ही नहीं इसकी स्टार कास्ट भी सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंड कर रही है। धनुष ने बतौर एक्टर और निर्देशन दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म रायन ने पहले दिन बॉक्श ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर मेकर्स की उम्मीद को और बढ़ा दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, रायन ने ओपनिंग डे पर 12 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है। बता दें कि रायन से पहले एक्टर धनुष कैप्टन मिलर फिल्म में नजर आए थे। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। फिल्म रायन में धनुष के अलावा एसजे सूर्या, प्रकाश राज, सेल्वाराघवन, संदीप किशन, कालिदास जयराम, दुशारा विजयन, अपर्णा बालामुरली, वरलक्ष्मी सरथकुमार और सरवनन भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म के रिलीज होते ही ट्विटर पर फैंस के रिव्यूज भी आने शुरू हो गए हैं।

त्रिशा कृष्णन की तेलुगु ओरिजिनल क्राइम-थ्रिलर सीरीज़ बृंदा का ट्रेलर जारी

त्रिशा कृष्णन की बृंदा का ट्रेलर रिलीज़ हुआ। दक्षिण भारतीय सिनेमा की सनसनी त्रिशा कृष्णन अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर सीरीज़ बृंदा के साथ देशभर के दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। 2 अगस्त को सोनी लिव पर प्रीमियर होने वाली यह दिलचस्प सीरीज़ तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली और हिंदी सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगी, जिससे पूरे भारत में इसकी व्यापक पहुँच सुनिश्चित होगी। हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर ने काफ़ी चर्चा बटोरी है, जिसमें त्रिशा को एक जटिल रहस्य को सुलझाने वाली दृढ़ पुलिस अधिकारी की दमदार भूमिका में दिखाया गया है। विकट बाधाओं का सामना करते हुए, वह सच्चाई को उजागर करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। यह सीरीज़ दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखने का वादा करती है क्योंकि त्रिशा का किरदार चुनौतियों का सामना करता है और रहस्य सामने आता है। बृंदा त्रिशा कृष्णन का ओटीटी डेब्यू है और यह एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है। सूर्या मनोज वंगाला द्वारा लिखित और निर्देशित, यह सीरीज़ एडिंग एडवरटाइजिंग एलएलपी द्वारा निर्मित है। वंगाला और पद्मावती मल्लादी द्वारा लिखी गई पटकथा को शक्तिकांत कार्तिक के आकर्षक संगीत स्कोर द्वारा और भी बेहतर बनाया गया है। इस दिलचस्प सीरीज़ में त्रिशा के साथ इंद्रजीत सुकुमारन, जया प्रकाश, आमानी, रवींद्र विजय, आनंद सामी, राकेन्दु मौली और अन्य सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार शामिल हैं। अपने आकर्षक आधार और मजबूत कलाकारों के साथ, बृंदा निस्संदेह एक ऐसी सीरीज़ है जिसे देखना चाहिए।

थाई स्लिट आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने शेयर की ग्लैमरस फोटोज

किलर लुक्स देखकर फैंस के उड़े होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपनी ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। रकुल प्रीत ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोलड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए बालों का हाई बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के उन्होंने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। क यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुआ- ब्यूटिफुल बोल्ड एंड लिखा है।

रणवीर सिंह ने किया नई फिल्म का ऐलान, सामने आई पूरी स्टार कास्ट

पिछले काफी समय से खबरें आ रही थीं कि ब्लॉकबस्टर फिल्म उरी के निर्देशक आदित्य धर बतौर निर्देशक दूसरी फिल्म लेकर आने वाले हैं।उनकी इस फिल्म से जुड़ीं तमाम जानकारियां सामने आई थीं। यह वही फिल्म है, जिसमें रणवीर सिंह और संजय दत्त समेत कई कलाकार पर्दे पर साथ नजर आएंगे।अब आखिरकार इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा हो गई है।निर्देशक समेत फिल्म के सभी कलाकारों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है। रणवीर ने फिल्म में अपने साथ काम कर रहे अभिनेताओं और निर्देशक के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, यह मेरे प्रशंसकों के लिए है, जो मेरे साथ बहुत धैर्यवान रहे हैं और मुझसे इस तरह के बदलाव की मांग कर रहे हैं। मैं आप सभी से प्यार करता हूं और मैं आपसे वादा करता हूं कि इस बार आपको ऐसा सिनेमाई अनुभव मिलेगा जैसा पहले कभी नहीं मिला। रणवीर ने आगे लिखा, आपके आशीर्वाद से हम इस साहसिक और शानदार सफर को शुरू कर रहे हैं। इस बार यह व्यक्तिगत है।इस फिल्म का नाम अभी सामने नहीं आया है। फिल्म में रणवीर का किरदार पंजाब से होने वाला है। कहा जा रहा है कि इसलिए उन्होंने दाढ़ी बढ़ाई हुई है।रणवीर का एक अनदेखा अवतार दर्शकों के बीच आने वाला है।इसमें माधवन और अक्षय एक वरिष्ठ अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं, जो भारतीय खुफिया एजेंसी और रॉ से जुड़े हैं। आदित्य की बात करें तो वह एक लेखक और निर्माता-निर्देशक हैं। पहली बार उन्होंने फिल्म उरी का निर्देशन किया, जो उनके करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई।25 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 342 करोड़ रुपये कमाए थे।अब बतौर निर्देशक आदित्य अपनी दूसरी फिल्म से बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर धमाका करने को तैयार हैं।पिछली बार वह अपनी पत्नी यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 से बतौर निर्माता जुड़े थे।

सपने सुहाने लड़कपन के की को-स्टार रूपल त्यागी से मिलीं महिमा मकवाना

एक्ट्रेस महिमा मकवाना बेहद टैलेंटेड हैं और टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से हैं। हाल ही में एक इवेंट में वह सपने सुहाने लड़कपन के की को-स्टार रूपल त्यागी से मिलीं। एक्ट्रेस ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि उन्होंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर महिमा ने रूपल के साथ सेल्फी शेयर की, जिसमें वह येलो कलर की टी-शर्ट में नजर आईं। वहीं, रूपल ने रेड कलर की हॉल्टर ड्रेस पहनी हुई थी। सेल्फी शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने टाइटल में लिखा, ऐसा रीयूनियन जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी! रचना और गुंजन... बहुत दिनों बाद आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा! रूपल ने भी अपनी खुशी साझा करते हुए लिखा, सपने सुहाने लड़कपन के के लिए एक ट्रीट है! रचना और गुंजन की मुलाकात बहुत दिनों बाद हुई! सपने सुहाने लड़कपन के जी टीवी पर प्रसारित होता था। यह शो 2012 से 2015 तक चला। इसका आखिरी एपिसोड 23 जनवरी 2015 को ऑन एयर हुआ था। इसमें अंकित गेरा, पीयूष सहदेव, अलीहसन तुराबी, अंकित भारद्वाज, हर्ष राजपूत और आंचल खुराना जैसे कलाकार लीड रोल में थे। यह दो बहनों की कहानी थी। रचना हर वक्त डरी सहमी रहने वाली लड़की थी, तो वहीं गुंजन दबंग और मस्तीखोर स्वभाव की थी। मोहे रंग दे से टीवी पर डेब्यू करने वाली महिमा ने सीआईडी, आहट, मिले जब हम तुम, सवारे सबके सपने... प्रीतो और दिल की बातें दिल ही जाने में काम किया। एक्ट्रेस ने 2017 में तेलुगु फिल्म वेंकटपुरम से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वह तेलुगु टेक्नो-थ्रिलर मोसागल्लू में भी नज़र आ चुकी हैं। महिमा ने सलमान खान स्टारर और महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित 2021 की एक्शन फिल्म अंतिम: द फ़ाइनल ट्रुथ से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसमें वह एक्टर आयुष शर्मा के अपोजिट नजर आईं। उन्हें अंतिम बार कॉमेडी-ड्रामा तुमसे ना हो पाएगा और वेब सीरीज शोटाइम में देखा गया है। महिमा जल्द ही प्रोजेक्ट लव में दिखाई देंगी। रूपल कसम से और एक नई छोटी सी जिंदगी जैसे शो में नजर आईं।